PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 261 ● भिलाई, सोमवार 27 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

नीमराना में कबाड़ के गोदाम में आग लगने से 7 साल की बच्ची समेत 4 लोग जिंदा जले

नीमराना। कोटपूतली जिले के नीमराना इलाके में शनिवार रात एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगने से 7 वर्षीय बच्ची सहित चार लोगों की मौत हो गई। भीषण आग और उसके बाद हुए विस्फोट से दहशत फैल गई थी। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया, चारों शव बरामद कर लिए गए हैं और पूरे इलाके की गहन तलाशी पूरी हो चुकी है। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर अपनी जांच शुरू कर दी है। आग लगने के सटीक कारण का पता लगाया जा रहा है। यह घटना मोहलाडिया गांव के बिचपुरी रोड पर स्थित एक गोदाम में हुई, जहां खाली इत्र की बोतलों सहित बड़ी मात्रा में कबाड़ सामग्री जमा थी। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के समय परिसर के अंदर काम कर रहे कई मजदूर फंस गए थे। एक नाबालिग लड़की सहित चार लोग जलकर मर गए, जिनके शवों को बाद में सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें तेजी से उसी परिसर में स्थित एक सटे हुए प्लास्टिक ग्रेन्यूल निर्माण इकाई में फैल गईं।

खदान के गड्ढे में डूबे तीन युवक, सीएम ने किया आर्थिक मदद का ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां एक पत्थर क्रशर की खदान के गड्ढे में तीन युवक डूब गए। ये युवक अपने एक साथी को बचाने की कोशिश कर रहे थे, जो पानी में डूब रहा था। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। अब तक एक शव बरामद किया गया है, जबकि बाकी दो की तलाश जारी है। बहेड़िया पुलिस थाने के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना दोपहर के आसपास हुई, जब चार दोस्त खदान के पानी में नहाने गए थे। प्रत्यक्षदर्शी शिवा वाल्मीकि ने बताया कि एक युवक, तनिष कोरी, पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसके साथी अभिषेक उर्फ अड्डा और तेजराम पटेल पानी में कूद गए, लेकिन गहरे पानी में तीनों ही फंस गए और डूब गए। एक अन्य दोस्त आयुष ने भी मदद की कोशिश की, लेकिन उसे समय रहते बाहर निकाल लिया गया, वरना वह भी डूब सकता था। जब तक मदद पहुंची, तब तक तीनों पानी में डूब चुके थे।

हाथी दांत को 3.5 करोड़ रुपए में बेचने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चेम्बूर पुलिस ने करोड़ों रुपये के हाथी दांत बेचने की कोशिश कर रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई क्राइम डिटेक्शन यूनिट द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें अवैध रूप से हाथी दांत की खरीद-फरोख्त की योजना का खुलासा हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश अशोक अव्हाड (28), संदीप रणधीर बिडलान (33), शशांक चंद्रशेखर रंजंकर (38) और दिनेश राममनोहर अग्निवंशी (40) के रूप में हुई है।

भाजपा महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध-पीएम मोदी

गुंडे-बलात्कारियों को पाताल से खोज लाएगी बीजेपी-मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस पर महिलाओं को प्रताड़ित करने वाले गुंडों को पनाह देने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा द्वारा संदेशखाली की रेखा पात्रा और आर जी कर अस्पताल की पीड़िता की मां को चुनाव टिकट देना महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है. उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में ठाकुरनगर स्थित मतुआ समुदाय के गढ़ में एक चुनावी रैली में मोदी ने कहा कि पड़ोसी देश में धार्मिक उत्पीड़न के बाद भारत में शरण लेने वाले सभी शरणार्थियों को संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं के माध्यम से नागरिकता प्रदान की जाएगी. पहले चरण के चुनावों में 93 प्रतिशत से अधिक रिकॉर्ड मतदान का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, पहले चरण में तृणमूल कांग्रेस का अहंकार चकनाचूर हो गया, दूसरा चरण राज्य में भाजपा की जीत को पुख्ता करेगा. प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के स्वतंत्रता-पूर्व दिए गए नारे 'तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का जिक्र करते हुए लोगों से भाजपा को वोट देने का आग्रह करते हुए कहा, और मैं आपको तृणमूल के 'महा जंगलराज' से आजादी दूंगा मोदी ने कहा, तृणमूल कांग्रेस की 'निर्मम सरकार' इस राज्य की महिलाओं पर अत्याचार करने वाले गुंडों के साथ खड़ी है. अब समय आ गया है कि हम यह कहें कि हम इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे. प्रधानमंत्री ने सभी घुसपैठियों को चेतावनी दी कि वे चुनाव के दूसरे चरण के मतदान की तारीख 29 अप्रैल से पहले देश छोड़ दें, अन्यथा 4 मई को परिणाम आने के बाद उन्हें बाहर निकाल दिया जाएगा सभी मतुआ शरणार्थियों के लिए नागरिकता की मोदी की गारंटी वहीं ठाकुरनगर में पीएम मोदी ने कहा कि देश भर के सभी मतुआ, बेघर लोगों और शरणार्थियों को नागरिकता दी जाएगी. उन्होंने नॉर्थ 24 परगना के ठाकुरनगर में हुई एक चुनावी रैली के दौरान यह बातें कहीं. इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने यह और भरोसा दिया: मतुआ लोगों को भारत के नागरिकों को मिलने वाले हर अधिकार का फ़ायदा मिलेगा. पीएम मोदी ने कहा कि उनके पास इसके एक नहीं, अनेक उदाहरण हैं. आप शिक्षक भर्ती घोटाले का मामला लीजिए. संवेदनशील सरकार होती तो ईमानदारी से जांच करती लेकिन कोर्ट को इसमें जांच के आदेश देने पड़े यानी टीएमसी की सरकार की विश्वसनीयता शून्य है. टीएमसी इस घोटाले की जांच नहीं करती है. पीएम मोदी ने कहा कि 2023 के पंचायत चुनाव का एक और उदाहरण है. हर राज्य में पंचायत चुनाव राज्य सरकारें ही करवाती हैं. सुरक्षा का जिम्मा उन्हीं का होता है लेकिन कोर्ट को लगा कि टीएमसी सरकार सुरक्षा नहीं दे सकती इसलिए कोर्ट ने पंचायत चुनाव के लिए भी केंद्रीय बलों को लगाने का आदेश दिया.

पीएम मोदी ने महिलाओं को लेकर किए कई वादे

इस दौरान पीएम ने महिलाओं को लेकर कई अहम वादे किए. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर हर महिला को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा. ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जांच और टीके भी मुफ्त होंगे. गर्भावस्था में 21,000 रुपए की मदद दी जाएगी और बेटी की ग्रेजुएशन पर 50,000 रुपए सीधे खाते में आएंगे. इसके अलावा हर साल 36,000 रुपए महिलाओं के खातों में भेजे जाएंगे और सरकारी नौकरियों में बेटियों को 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा.

पहले चरण में भारी मतदान से टीएमसी का अहंकार टूटा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले मैं सिंगुर आया था. उसी समय उन्हें टीएमसी की निर्मम सरकार के प्रति जनता का गुस्सा साफ साफ देखा था. आज मैं फिर देख रहा हूं, वो गुस्सा अपने चरम पर पहुंच चुका है और इस गुस्से में बंगाल का एक ही उद्घोष है. बंगाल का एक ही संकल्प है, बंगाल ने ठान लिया है, 'पलटानो दोरकार, चाई बीजेपी सरकार'. पीएम मोदी ने कहा कि पहले चरण में भारी मतदान से टीएमसी का अहंकार टूट गया है, दूसरे चरण में भाजपा सरकार की प्रचंड जीत पक्की होने जा रही है.

ट्रंप ठीक हैं,यह जानकर राहत मिली

लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है-पीएम मोदी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वॉशिंगटन होटल फायरिंग घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह जानकर राहत मिली कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सुरक्षित हैं। उन्होंने उनकी निरंतर सुरक्षा और भलाई के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कई वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में वाशिंगटन के हिल्टन होटल में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरिस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान गोलीबारी की घटना हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, फायरिंग की आवाज सुनते ही राष्ट्रपति ट्रंप समेत सभी वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल से सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह डिनर शनिवार रात आयोजित था, लेकिन गोलीबारी के बाद माहौल में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह जानकर राहत मिली है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति सुरक्षित और सकुशल हैं। उन्होंने सभी की सुरक्षा और भलाई की कामना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है और इसकी एक स्वर में निंदा की जानी चाहिए। फायरिंग के तुरंत बाद, यूएस सीक्रेट सर्विस ने मेहमानों को टेबल के नीचे झुकने के लिए कहा। सुरक्षा कर्मी तुरंत स्टेज पर पहुंचे और पूरे कार्यक्रम स्थल को सुरक्षित किया।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर ट्रेलर से भिड़ी, पांच लोगों की मौत

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा दोहरीघाट थाना क्षेत्र के कुसुम्हा बशारतपुर के पास गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन पर हुआ। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर दूसरी लेन में जाकर ट्रेलर से भिड़ गई। घोसी के क्षेत्राधिकारी जितेंद्र सिंह ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हमें देर रात सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई थी।

रिया चक्रवर्ती को बड़ी राहत!

कोर्ट ने दिया बैंक खाते तुरंत चालू करने के आदेश

नई दिल्ली/ एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मामले में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को बड़ी राहत मिली है। एक्ट्रेस और उनके परिवार को राहत देते हुए मुंबई की स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट ने उनके बैंक खाते को अनफ्रीज करने का आदेश जारी कर दिया है। इस दौरान कोर्ट ने एनसीबी द्वारा कार्यवाही प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। कोर्ट के अनुसार, एनसीबी ने अभिनेत्री और उनके परिवारजन के बैंक खातों को फ्रीज करते समय उचित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार नहीं किया था। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले साल 2020 में जुड़े ड्रग्स केस की जांच के दौरान ये बैंक खाते से फ्रीज किए गए थे। एनडीपीएस के अधिनियम के अनुसार, किसी भी बैंक खाते को फ्रीज करने के 30 दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी लेना अनिवार्य है।

टीएमसी पर लगाया कांग्रेस नेता की हत्या का आरोप

राहुल गांधी ने सीएम ममता को घेरा लोकतंत्र नहीं,आतंक राज!

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए राजनीतिक पार्टियां जोरो-शोरो से चुनावी प्रचार में लगी हुई। इस दौरान कांग्रेस के लिए लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पश्चिम बंगाल में ममता सरकार को घेरते नजर आ रहे है। उन्होंने बंगाल की ममता सरकार पर निशाना साधते हुए गंभीर आरोप लगा दिए है। राहुल गांधी का यह बयान बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या के बाद सामने आया है। कांग्रेस पार्टी ने यह आरोप लगाया है कि देबदीप चटर्जी की हत्या तृणमूल कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोगों ने की है। इस मामले में राहुल ने ममता को भी घेर लिया है। हालांकि, अभी तक इस मामले में तृणमूल कांग्रेस की ओर से किसी प्रकार का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। राहुल गांधी ने इस मामले को लेकर एक्स पर संवेदना जाहिर करते हुए एक पोस्ट भी लिखा। उन्होंने लिखा, चुनावों के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या बेहद निंदनीय है। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। आज पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र नहीं, बल्कि टीएमसी का आतंक राज चल रहा है। वोट पड़ने के बाद विरोधी आवाज़ों को डराना, उन पर हमला करना और उन्हें खत्म कर देना यह टीएमसी की पहचान बन गया है। राहुल गांधी ने आगे लिखा, कांग्रेस की राजनीति कभी भी हिंसा पर आधारित नहीं रही है।

दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशु गर्भाधान व्यवस्था में होगा बदलाव

लखनऊ। यूपी में करीब और 190.20 लाख गोवंश 330.10 लाख भैंस हैं। इसमें प्रजनन योग्य 89.36 लाख गाय और 153.12 लाख भैंस हैं। इसमें करीब एक लाख गाय भैंस में समय से गर्भ धारण नहीं करने की समस्या पाई जाती है। अभी तक पशुओं के गर्भवती होने की जांच तीन माह में हो पाती हैं। यदि कोई गाय या भैंस गर्भ नहीं धारण की है तो तीन से चार माह बाद ही उसे दोबारा गर्भ धारण कराया जाता है। इस अंतर को कम करने की तैयारी है। इसके लिए प्रदेश में आईटी इनैबल्ड पशु गर्भपरीक्षण प्रयोगशाला बनाई जा रही है। प्रयोगशाला में किट के जरिये 28 दिन में ही जांच हो सकेगी।

ममता की धमकी का दिया करारा जवाब

110 सीटें जीत रहें है सीताभोग से मनेगा जीत का जश्न-शाह..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होने वाले है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 तारीख को होने वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण से पहले एक रोड शो कर रहे हैं। अमित शाह ने हावड़ा, पूर्वी बर्दवान समेत कई जिलों में जनता को संबोधित किया और रोड शो में हिस्सा लिया। अपने मंच से शाह ने ममता बनर्जी पर जोरदार निशाना साधा और दावा कर दिया कि इस बार भाजपा की सरकार बनेगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उनके बयानों पर केस दर्ज करने की धमकी पर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम गुंडों को माला पहनाएंगे दीदी चाहे कितना भी विरोध करें, उन्हें जेल भेजा जाएगा और गुंडों को उल्टा लटकाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने जवाब देते हुए कहा ममता बनर्जी तो बातें करती रहती हैं। वह कोर्ट में लगातार हारती रही हैं। और आगे भी ऐसा ही होता रहेगा। हम तो जनता के बीच हैं, और बंगाल की जनता को ही 29 तारीख को फैसला करना है। ममता बनर्जी आखिर कहना क्या चाहती हैं क्या गुंडों का सम्मान किया जाना चाहिए? उनका (ममता बनर्जी का) तो यही प्लान है कि जो लोग जनता को परेशान करते हैं, उनका सम्मान किया जाए। अपनी रैली के दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। शाह बोले हर पार्टी अपनी-अपनी बात कहती है, राहुल गांधी भी वही कर रहे हैं, लेकिन मुझे साफ साफ दिख रहा है।

मन की बात' में छत्तीसगढ़ का निरंतर जिक्र गौरव की बात

मन की बात देश के जनमानस को जोड़ने वाला एक माध्यम

- प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण प्रयासों की सराहना कर बढ़ाया प्रदेश का मान
- जनभागीदारी और नवाचार को राष्ट्रीय मंच पर मिल रही पहचान उत्साहजनक

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का लगातार जिक्र होना न केवल राज्य की पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि प्रदेशवासियों के मनोबल को भी नई ऊंचाई प्रदान करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में विशाल जनसमूह के साथ मन की बात की 133वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात आज देश के जनमानस को जोड़ने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसके जरिए देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचार, जनभागीदारी और जमीनी स्तर के उत्कृष्ट प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देशवासियों से संवाद करते हुए न केवल प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाते हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित भी करते हैं। इस संवाद के माध्यम से लोगों में सहभागिता की भावना मजबूत होती है और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई ऊर्जा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेख होना राज्य के लिए विशेष सम्मान का विषय है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता मजबूत है। साथ ही, यह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर विशेष श्रेणी में शामिल किए जाने के बाद इसके उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं की आय में सकारात्मक बदलाव आया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा पवन ऊर्जा की आवश्यकता और संभावनाओं पर दिए गए विशेष जोर का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इस दिशा में निरंतर और ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने एक अनूठी पहल करते हुए उपस्थित जनसमूह के साथ घर से लाए गए ।

काले हिरण संरक्षण पर प्रधानमंत्री की सराहना से छत्तीसगढ़ गौरवान्वित

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज गरियाबंद जिले के छुरा नगर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें एपिसोड का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयासों की सराहना किया जाना पूरे प्रदेश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में वन्यजीव संरक्षण को नई गति मिली है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। एक समय विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी काले हिरण की प्रजाति का पुनः दिखाई देना राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों का प्रमाण है।

जिले में हवाई हमले की आशंका को लेकर मॉक ड्रिल, एसडीआरएफ और वालेंटियर्स ने संभाली कमान

दुर्ग। जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों के उद्देश्य से हवाई हमले की स्थिति से निपटने के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों, एनसीसी एवं होमगॉर्ड जवानों को सिविल डिफेंस, एयर रेडियो/ब्लैकआउट एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट दुर्ग कैंपस केन्द्रीय विद्यालय के पास (केन्द्रीय जेल) में किया गया। हवाई हमलों जैसी आपात स्थितियों में नागरिक सुरक्षा और राहत कार्यों की रणनीतिक तैयारी को परखना था, जिसमें जवानों को अंधेरे में प्रभावी संचार व्यवस्था बनाए रखने, एयर रेड सायरन बजने पर त्वरित प्रतिक्रिया देने, सुरक्षित आश्रय स्थलों का प्रबंधन करने और आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्राथमिक उपचार प्रदान करने का विस्तृत व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने ब्लैकआउट की प्रक्रिया को विस्तार से समझाते हुए बताया कि किस प्रकार न्यूनतम रोशनी में भी अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जा सकता है। मॉक ड्रिल के दौरान सायरन बजाकर आपात स्थिति का संकेत दिया गया, जिसके बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए गए। एसडीआरएफ के जवानों ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर घायलों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, प्राथमिक उपचार देने तथा सुरक्षित निकासी की तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस दौरान वालेंटियर्स ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, भीड़ नियंत्रण करने और आपातकालीन निर्देशों का पालन कराने में सहयोग किया। इसके साथ ही आगजनी वाले स्थानों पर अग्निशमन वाहनों द्वारा आग पर काबू पाया गया। दूसरी और तीसरी मंजिल पर फंसे लोगों को एसडीआरएफ टीम ने स्ट्रेचर और रस्सी की सहायता से नीचे उतारा तथा एंबुलेंस द्वारा उपचार के लिए भेजा। सुरक्षित बिल्डिंग में फंसे लोगों को भी सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। इस दौरान सांसद विजय बघेल, कलेक्टर अभिजीत सिंह, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, प्रभारी अधिकारी मती सिल्वी थॉमस, नोडल अधिकारी नागेन्द्र सिंह सहित विभागीय अधिकारी सहित एसडी आरएफ की टीमों के साथ स्थानीय वालेंटियर्स उपस्थित थे।

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक, बीज निगम प्रक्षेत्र रूआबांधा में नील हरित काई उत्पादन का किया अवलोकन

संभाग आयुक्त और सातों जिले के कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ भी हुए शामिल

दुर्ग। क्षेत्रीय कृषि प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान, रूआबांधा दुर्ग के प्रशिक्षण हॉल में कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग शहला निगार की अध्यक्षता में दुर्ग संभाग की रबी 2025-26 की प्रगति एवं खरीफ 2026 की कार्यक्रम निर्धारण संबंधी संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, संचालक कृषि राहुल देव, एमडी मार्कफेड जितेन्द्र शुक्ला, प्रबंध संचालक बीज निगम अजय अग्रवाल, संचालक उद्यानिकी लोकेश चन्द्राकर, प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड महेन्द्र सक्सेरी, प्रबंध संचालक बीज प्रमाणीकरण अश्वनी बंजारा, अपर संचालक कृषि सी.बी. लोण्ढेकर, उप सचिव कृषि विकास मिश्रा, महाप्रबंधक बीज निगम विनोद वर्मा तथा कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह सहित संभाग के अन्य जिले के कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ भी सम्मिलित हुए। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त निगार ने रबी 2025-26 में दुर्ग संभाग के दलहन, तिलहन क्षेत्र विस्तार में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए सराहना किया। उन्होंने आने वाले वर्षों में ग्रीष्मकालीन धान को हतोत्साहित कर दलहन, तिलहन, मक्का एवं अन्य फसलों के रकबा को बढ़ाने के निर्देश दिये। आगामी खरीफ 2026 में धान के स्थान पर अन्य उपयुक्त वैकल्पिक फसल जैसे सुगंधित धान, अरहर, मक्का, सोयाबीन, कपास, साग-सब्जी इत्यादि फसलों को प्रोत्साहित करते हुए सभी जिले में न्यूनतम धान को एक निर्यात योग्य विशिष्ट गुण/सुगंधित किस्म का क्लस्टर में अधिक से अधिक क्षेत्र विस्तार करने के निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि पी.एम. आशा योजनांतर्गत दलहन, तिलहन खरीदी में राज्य के अन्य संभाग की तुलना में दुर्ग संभाग में सर्वाधिक लगभग 60,000 क्विंटल उपार्जन किया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों के मांग के आधार पर पी.एम. आशा योजना के पंजीयन तिथि में वृद्धि की जानकारी देते हुए किसानों के अधिक से अधिक उपार्जन करने तथा समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में उर्वरकों के समान एवं संतुलित वितरण सुनिश्चित करने के लिए आगामी खरीफ 2026 हेतु लागू की जाने वाली नवीन ई-उर्वरक वितरण प्रणाली के संबंध में व्यापक चर्चा किया गया। नवीन ई-उर्वरक वितरण प्रणाली में एग्रीस्टेक में पंजीकृत रकबा एवं फसल के आधार पर उर्वरक का वितरण किया जायेगा। कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा जिला कलेक्टर्स से सभी किसानों का एग्रीस्टेक में तत्काल पंजीयन कराने की अपेक्षा की गयी। बैठक में मुख्य रूप से टिकाउ एवं सतत् खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया ताकि फसल उत्पादकता एवं मृदा की उर्वरकता बनी रहे व रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान इकाई द्वारा उर्वरकों के सस्ते एवं आसान वैकल्पिक उपाय हरी खाद, नील हरित काई, जैव उर्वरक, नैनों उर्वरकों के विषेष रूप से प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिस पर कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा सभी जिला कलेक्टर से इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कर इसे बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही डी.ए.पी. के वैकल्पिक उर्वरकों जैसे- नैनो डी.ए.पी., एन.पी.के., एस.एस.पी., टी.एस.पी. इत्यादि वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग पर जोर दिया गया।

नील हरित काई धान फसल में नाइट्रोजन का बहुत अच्छा वैकल्पिक स्त्रोत है। बीज निगम के प्रक्षेत्र रूआबांधा, दुर्ग में उपलब्ध 40 पक्के टांके में से प्रथम चरण में 5 पक्के टांके में नील हरित काई का उत्पादन किया जा रहा है।

राइट गुरुकुल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

डोंगरगांव नगर। नगर के राइट गुरुकुल हायर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम शनिवार को घोषित किया गया। इस दरम्यान समाजसेवीगण दिनेश गाँधी, हिरेंद्र साहू, राज कुमार गुप्ता, कोमल साहू शामिल हुए। अतिथियों ने बच्चों को अच्छे से तैयारी कर अच्छा अंक प्राप्त करने के लिए अपने से मोबाइल दूर रखने की बात कही जिसमें उन्होंने मोबाइल के सदुपयोग और दुरुपयोग के बारे में बच्चों को अवगत कराया। प्राचार्य लोकेश्वर साहू ने बच्चो को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और लगन के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। संस्था कार्यालय से आधिकारिक जानकारी मुताबिक कक्षा नर्सरी में गाव्या 99.5 फीसदी प्रथम, उर्वशी एवं देवानसी 98 फीसदी द्वितीय, रेयान, काव्यांश साहू शौर्य 96.5 फीसदी तृतीय स्थान प्राप्त किए। कक्षा केजी 1 में तृषा अहिर एवं कुलदीप साहू 99 फीसदी प्रथम, हर्षिका, अयांशी सिंह एवं प्रत्यूष साहू 98 फीसदी द्वितीय, चहक मंडावी, पूर्वांश साहू एवं काव्यांश निषाद 96 फीसदी तृतीय रहे। कक्षा केजी 2 में भावेश देवांगन, भोरवी साहू एवं अरमान अंसारी 99.6 फीसदी प्रथम, तनुजा कंवर एवं हर्ष साहू 98. 8 फीसदी द्वितीय, टीसा मंडावी एवं मेहुल साहू 96 फीसदी तृतीय रहे। कक्षा पहली अंग्रेजी माध्यम में श्रेयांश शर्मा एवं रोहित मंडावी 98.8 फीसदी प्रथम, काव्या नेताम 97.6 फीसदी द्वितीय, त्रियांशी पटेल एवं पुष्कर साहू 96.8 तृतीय रहे। कक्षा पहली हिन्दी माध्यम में मोनीषा पटेल एवं तारिणी साहू 97.6 फीसदी प्रथम स्थान। द्वितीय योगिता साहू एवं आदर्श 96. 8 फीसदी व रागिनी 94व तृतीय रहे। कक्षा दूसरी अंग्रेजी माध्यम में ओजस्वी अंबादे एवं सायांशी सिंह 99.6 फीसदी प्रथम, वेदांत राणा एवं कल्प पंसारी 98.8 फीसदी द्वितीय, माही यादव, फियांशु साहू एवं धवन मालो 97.6 फीसदी तृतीय रहे। कक्षा दूसरी हिंदी माध्यम में रागिनी रावते 98.4 फीसदी प्रथम, प्रियांशु 94.4 फीसदी द्वितीय येशिका 86.8 फीसदी तृतीय। कक्षा तीसरी अंग्रेजी माध्यम में काव्यांजलि रावते एवं रेहान भुआर्य 97 फीसदी प्रथम, पूर्वी सिन्हा 96 फीसदी द्वितीय, भोवेंद्र साहू एवं ईशान निषाद 95.3 फीसदी तृतीय रहे। कक्षा तीसरी हिंदी माध्यम में जितेश 95.6 फीसदी प्रथम। कक्षा चौथी अंग्रेजी माध्यम में मानसी निषाद, पूर्वी देवांगन एवं श्रद्धा 99 फीसदी प्रथम, श्रेया एवं रोशनी यादव 97.6 फीसदी द्वितीय, मौली मंडावी एवं गौरव सिंह अत्री 94 फीसदी तृतीय रहे। कक्षा चौथी हिंदी माध्यम में पूर्वी 93.3 फीसदी प्रथम एवं अनन्या 91 फीसदी द्वितीय रहे। कक्षा छठवीं अंग्रेजी माध्यम में दीपांशु रावते 97.8 फीसदी प्रथम, हिमांशु साहू 95 फीसदी द्वितीय, चेष्ठा साहू 93 फीसदी तृतीय रहे। हिंदी माध्यम कक्षा छठवीं में गुरुअंश रावते 93.3 फीसदी प्रथम, केजल साहू 91 फीसदी द्वितीय, उमंगी भुआर्य 85.5 फीसदी तृतीय रहे। कक्षा सातवीं अंग्रेजी माध्यम में लावण्या डीमर 95.6 फीसदी प्रथम, टिंकल यादव 94.3 फीसदी द्वितीय, मयंक साहू 92.6 फीसदी तृतीय रहे।

एसबीएस हॉस्पिटल में ब्लैकमेलिंग का पर्दाफाश, 5 लाख की उगाही मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

चिकित्सा संस्थान में भय पैदा कर दबाव बनाने की कोशिश, पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर की कार्रवाई

भिलाई। भिलाई स्थित एस.बी.एस. हॉस्पिटल प्रबंधन को ब्लैकमेल कर 5 लाख रुपये की अवैध मांग करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा अस्पताल प्रबंधन पर भय उत्पन्न कर दबाव बनाया जा रहा था, जिसके बाद मामले की शिकायत थाना छावनी में दर्ज कराई गई। पुलिस के अनुसार, हॉस्पिटल के मैनेजर निर्मल सिंह की शिकायत पर आरोपी गुरूमीत सिंह वाधवा के खिलाफ छत्तीसगढ़ चिकित्सा रक्षक तथा चिकित्सा सेवा संस्थान (हिंसा एवं संपत्ति क्षति की रोकथाम) अधिनियम 2010 की धारा 3 एवं भारतीय न्याय संहिता की धारा 308 के तहत अपराध क्रमांक 230/2026 पंजीबद्ध किया गया। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने गवाहों के बयान दर्ज किए, जिन्होंने ब्लैकमेलिंग और दबाव बनाने की पुष्टि की।

साथ ही घटना से जुड़े 13 मोबाइल फोटोग्राफ और अस्पताल से संबंधित दस्तावेजी साक्ष्य भी एकत्र किए गए। साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की संलिप्तता स्पष्ट होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे उसके निवास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अवैध धन उगाही के उद्देश्य से अस्पताल प्रबंधन को ब्लैकमेल कर रहा था और भय का माहौल बनाकर दबाव डाल रहा था। थाना छावनी पुलिस एवं विवेचना टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साक्ष्य संकलन और प्रभावी घेराबंदी के जरिए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई को सराहनीय माना जा रहा है। दुर्ग पुलिस ने आमजन से अपील की है कि ब्लैकमेलिंग, अवैध वसूली या किसी भी प्रकार के आपराधिक दबाव की सूचना तत्काल पुलिस को दें। चिकित्सा संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विशेष ग्राम सभाओं के साथ जल संरक्षण पर नवाचार : 300 ग्राम पंचायतों में आयोजन

दुर्ग। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर जिले के सभी 300 ग्राम पंचायतों एवं उनके आश्रित ग्रामों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन ग्राम सभाओं में 'नवा तरिया आय के जरिया', जनगणना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकारियों को ग्राम सभाओं में अनिवार्य रूप से शामिल होने के निर्देश दिए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता देखने को मिली। ग्राम सभाओं में ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'संपदा' ऐप में परिसंपत्तियों का अपलोड, 'मोर गांव मोर पानी' महाअभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं आजीविका संवर्धन, तथा 'नवा तरिया आय के जरिया' जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही जनगणना के लिए स्वयं गणना पत्रक भरने की प्रक्रिया एवं उससे संबंधित जानकारियों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह द्वारा पूर्व में ही सभी ग्राम पंचायतों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

निर्देशानुसार ग्राम सभाओं में जनप्रतिनिधियों एवं सम्मानित नागरिकों को आमंत्रित कर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की गई।मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि ग्राम सभाओं में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत लखपति दीदियों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत जल संरक्षण एवं आजीविका बढ़ाने के उपायों पर ग्रामीणों से सुझाव लिए गए। इसी क्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में संचालित मोर गांव मोर पानी महाअभियान के अंतर्गत एक अभिनव पहल की गई है। इसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत भवन की दीवारों पर गांव के जलस्तर (वॉटर लेवल) की जानकारी प्रदर्शित की जा रही है, जिससे आम नागरिक अपने क्षेत्र के भू-जल स्तर से अवगत हो सकें।'जल-दूत' मोबाइल ऐप के माध्यम से जलस्तर से संबंधित आंकड़े संकलित कर पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे हैं तथा एकरूपता के साथ दीवार लेखन कार्य किया जा रहा है। इस पहल से ग्रामीणों में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।ग्राम पंचायत रसमड़ा में आयोजित ग्राम सभा में भी ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। ग्राम सभा में सरपंच श्रीमती मोतीराम निषाद, उपसरपंच बालकिशन निषाद, ग्राम पंचायत सचिन कमिनी चंद्राकर, पंच बसंत निर्मलकर, कौशल्या साहू, संजू कुमार निषाद एवं प्रीति शिक्षा सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त है। प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। जिले के ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे ग्राम सभाओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर योजनाओं का लाभ उठाएं तथा अपने गांव के विकास में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

फोरलेन सड़क निर्माण के लिए निगम की बड़ी कार्रवाई, अतिक्रमण हटाने अभियान शुरू

जेल तिराहा से मिनी माता चौक तक अवैध कब्जों पर चलेगा बुलडोजर

दुर्ग।शहर के यातायात को सुगम और व्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जेल तिराहा से पुलगांव रोड होते हुए मिनी माता चौक तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण कार्य को गति देने के लिए अतिक्रमण हटाने की मुहिम प्रारंभ कर दी गई है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत न केवल चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाना है, बल्कि सड़क के दोनों ओर सुदृढ़ ड्रेनेज सिस्टम भी विकसित किया जाएगा। करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाली इस परियोजना के लिए मार्ग में आने वाले सभी अवैध अतिक्रमणों को हटाया जाना आवश्यक है। निगम द्वारा पूर्व में सर्वे कर चिन्हांकन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई थी, जिसके आधार पर अब अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। अब तक 112 से अधिक अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमाया जा चुका है, जिसमें उन्हें स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। निगम के अतिक्रमण दस्ता द्वारा पुलगांव चौक के आसपास कार्रवाई करते हुए नालियों पर किए गए पक्के निर्माण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे और कार्यवाही को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए निगम द्वारा विशेष टीम का गठन किया गया है। सहायक अभियंता गिरीश दीवान को टीम का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, उपअभियन्ता विनोद मांझी, तोड़ूदस्ता प्रभारी ईश्वर वर्मा एवं परमेश्वर कुमार सहित अन्य कर्मचारी शामिल हैं। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाकर निगम के कार्य में सहयोग करें,अन्यथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किश्त नहीं पटाने वाले हितग्राहियों से आयुक्त ने की सीधी चर्चा, शीघ्र भुगतान के लिए किया प्रेरित

डाटा सेंटर में बैठक, समस्याएं सुनकर आयुक्त ने दिया समाधान का भरोसा

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग - प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत एएचपी घटक के ऐसे हितग्राही, जिन्हें आवास का आबंटन पत्र प्राप्त हो चुका है, लेकिन किसी कारणवश वे अपनी किश्तों का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित एवं मार्गदर्शन देने हेतु निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा गुरुवार को डाटा सेंटर दुर्ग में कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा,सहायक अभियंता संजय ठाकुर सहित अधिकारी/कर्मचारीयो के अलावा हितग्राहियो की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त अग्रवाल ने उपस्थित हितग्राहियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। उन्होंने हितग्राहियों को समझाइश देते हुए कहा कि समय पर किश्त जमा करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी परिस्थिति में उनका आवास निरस्त न हो। बैठक में कुल 50 हितग्राहियों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें से 35 हितग्राही उपस्थित हुए। इस दौरान कुछ हितग्राहियों ने लोन संबंधित समस्याएं बताईं, वहीं कुछ ने वित्तीय व्यवस्था एवं नियमित भुगतान को लेकर अपनी स्थिति साझा की। आयुक्त ने सभी समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए यथासंभव सहायता का आश्वासन दिया। समझाइश एवं संवाद के पश्चात अधिकांश हितग्राहियों ने शीघ्र ही अपनी लंबित किश्तों का भुगतान करने के लिए सहमति व्यक्त की। निगम प्रशासन द्वारा हितग्राहियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने की दिशा में प्रयास जारी हैं।

विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता अभियान

बेमेतरा। विश्व भर में 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष इसका आयोजन मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रेरितः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। थीम पर आधारित रहा। इसी क्रम में जिले में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, जिला चिकित्सालय, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. राज द्वारा जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर मलेरिया से बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी लोगों तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम में बताया गया कि मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो संक्रमित मादा मच्छर के काटने से फैलती है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द एवं उल्टी शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर मरीजों की तुरंत जांच कर उचित उपचार किया जाना आवश्यक है, जो सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क उपलब्ध है। अभियान के तहत मुख्य संदेश दिए गए जिसमें हर बुखार की जांच कराएं, मलेरिया की पहचान करें, समय पर जांच और पूर्ण उपचार से मलेरिया से बचाव संभव, मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें, स्वच्छ वातावरण बनाए रखें और मच्छरों को पनपने से रोकें। इसके साथ ही मच्छर एवं लार्वा नियंत्रण के तहत जमे हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ मोबिल ऑयल डालने, तथा सामान्य मच्छरदानी को कीटनाशक से उपचारित कर उपयोग करने की सलाह दी गई।

तैलिक समाज एसोसिएशन का शत्रुहन साहू प्रांतीय संगठन प्रभारी व नारायण साहू रायपुर प्रदेश संगठन मंत्री मनोनीत

बेमेतरा। सर्व तेली समाज की वैधानिक एवं पंजीकृत राष्ट्रीय संस्था तैलिक समाज एसोसिएशन ने केंद्रीय कोर कमेटी के अनुमोदन के पश्चात संगठन विस्तार के प्रथम चरण में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर मनोनयन की घोषणा की है। संगठन के निर्णय के अनुसार, छत्तीसगढ़ प्रांत में शत्रुहन सिंह साहू (बेमेतरा) को प्रदेश संगठन प्रभारी, नारायण लाल साहू को प्रदेश संगठन मंत्री तथा विनोद कुमार साहू को प्रदेश समन्वयक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश के पांचों संभागों में संगठन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संभागीय संगठन प्रभारियों की भी नियुक्ति की गई है। संभागवार नियुक्तियों में रायपुर संभाग के लिए शैलेन्द्र कुमार साहू, दुर्ग संभाग के लिए सोमेश्वर साहू, बिलासपुर संभाग के लिए सुरेश कुमार साहू, सरगुजा संभाग के लिए विक्रमराज साहू तथा बस्तर संभाग के लिए राजेन्द्र प्रसाद साहू को संभागीय संगठन प्रभारी बनाया गया है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बताया कि यह कदम संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। नव-नियुक्त पदाधिकारी प्रदेश में संगठन की गतिविधियों को गति देने के साथ-साथ सामाजिक समरसता, जागरूकता और विकासोन्मुख कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करेंगे। साथ ही उन्हें जिला स्तर पर कार्यकारिणी गठन कर केंद्रीय कोर कमेटी को सूचित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। केंद्रीय कोर कमेटी ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि वे संगठन के उद्देश्यों और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करते हुए समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संगठन विस्तार के इस प्रथम चरण को भविष्य की योजनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आगामी समय में संगठन के विभिन्न स्तरों पर और भी नियुक्तियां की जाएंगी, जिससे संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

कॉलेज परिसर से केबल चोरी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले में अपराधों पर नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे सजग कोरबा - सतर्क कोरबा अभियान के तहत सिविल लाइन रामपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने केबल वायर चोरी के मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने बताया कि पोजी गवर्नमेंट कॉलेज परिसर के निर्माणाधीन स्थल से अज्ञात चोरों ने केबल वायर चोरी कर लिया था। मामले में थाना सिविल लाइन रामपुर में अपराध क्रमांक 339-2026 के तहत धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया तांबा (केबल वायर) बरामद किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि चोरी का माल आरोपी पुरुषोत्तम देवांगन ने खरीदा था, जिसके खिलाफभी कार्रवाई की गई है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। नेशनल हाईवे-30 पर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के जमहिटोला प्लाजा और गुजरा गांव के बीच हुआ। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई है और शवों को सड़क पर रखकर हाईवे पर चक्काजाम कर मुआवजे की मांग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दोनों युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में एक मृतक की पहचान डोमेन्द्र यादव निवासी ग्राम गुजरा के रूप में की गई है, जबकि दूसरे युवक का चेहरा बुरी तरह कुचल जाने के कारण उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

तपती गर्मी में इंसानों के साथ बेजुबानों की प्यास बुझाने खोला गया पुलिस प्याऊ

रायपुर। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच कोरबा जिले की पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं की एक मिसाल पेश की है। सर्वमंगला चैक पर कुसमुंडा पुलिस और सर्वमंगला चैकी द्वारा आम राहगीरों और बेजुबान जानवरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सराहनीय पहल की शुरुआत की गई है। इस पहल का शुभारंभ कुसमुंडा थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडेय और सर्वमंगला चैकी प्रभारी विभव तिवारी की मौजूदगी में किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यहां 'पुलिस प्याऊ' शुरू किया है, जहां राहगीरों के लिए ठंडे पेयजल की व्यवस्था की गई है। इससे तपती दोपहरी में सफर करने वाले लोगों को काफी राहत मिल रही है। पुलिस की यह पहल केवल इंसानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि बेजुबान जानवरों के लिए भी 'कोटना' (पानी का पात्र) रखा गया है, जिससे मवेशी और अन्य पशु भी अपनी प्यास बुझा सकें। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में पौधों का वितरण कर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया।

मंत्री के निर्देश पर आंगनबाड़ी के समय में बड़ा बदलाव

भीषण गर्मी में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि-मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर/ संवाददाता

मंत्री के निर्देश पर आंगनबाड़ी के समय में बड़ा बदलावप्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव को गंभीरता से लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए त्वरित और संवेदनशील निर्णय लिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के स्पष्ट निर्देश पर ग्रीष्मकाल के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में बदलाव करते हुए इसे 6 घंटे से घटाकर 4 घंटे कर दिया गया है। निर्देशानुसार 24 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन प्रात: 7:00 बजे से 11:00 बजे तक संचालित होंगे। विशेष रूप से 24 अप्रैल से 30 जून 2026 तक बच्चों की उपस्थिति का समय केवल सुबह 7:00 बजे से 9:00 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि वे भीषण गर्मी और लू के प्रभाव से सुरक्षित रह सकें। इस निर्धारित अवधि में बच्चों को पूर्व तय समय-सारिणी के अनुसार प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षागतिविधियां) के साथ-साथ पूरक पोषण आहार का नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की शिक्षा और पोषण सेवाओं की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्रों में अन्य आवश्यक सेवाएं प्रात: 11:00 बजे तक जारी रहेंगी। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं अपने निर्धारित जॉब चार्ट के अनुसार शेष कार्यों का निष्पादन करेंगी। साथ ही, गृहभेंट के माध्यम से पोषण परामर्श देने की महत्वपूर्ण सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत कार्यकर्ता केंद्र बंद होने के बाद घर-घर जाकर माताओं को जागरूक करेंगी। बच्चों की सुरक्षा को

लेकर भी विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। गर्म हवाओं और उच्च तापमान के बीच बच्चों को सुरक्षित रूप से घर पहुंचाने की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर जवाबदेही तय की जाएगी। इसके साथ ही, सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करें और जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों में इसकी प्रगति की नियमित समीक्षा करें, ताकि जमीनी स्तर पर निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। ग्रीष्मकाल समाप्त होने के बाद 01 जुलाई से आंगनबाड़ी केंद्र पुन: अपने सामान्य समय प्रात: 9:30 बजे से 3:30 बजे तक (6 घंटे) संचालित होंगे।

बच्चों की उपस्थिति सुबह 7 से 9 बजे तक सीमित

प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए त्वरित एवं संवेदनशील निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशानुसार 30 जून 2026 तक प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन प्रात: 7:00 बजे से 11:00 बजे तक संचालित किए जाएंगे। इस अवधि में बच्चों की उपस्थिति केवल सुबह 7:00 बजे से 9:00 बजे तक निर्धारित की गई है, ताकि उन्हें अत्यधिक तापमान एवं लू के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रखा जा सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस अवधि में बच्चों की प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख, शाला पूर्व अनौपचारिक शिक्षा गतिविधियाँ निर्धारित समय-सारिणी एवं कलेण्डर के अनुसार संचालित होंगी तथा पूरक पोषण आहार का वितरण नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे बच्चों के पोषण एवं शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आए। निर्देशानुसार आंगनबाड़ी केंद्र प्रात: 7:00 बजे से प्रारंभ होंगे, जिसमें बच्चों की उपस्थिति 7:00 से 9:00 बजे तक रहेगी, जबकि अन्य सेवाओं के लिए केंद्र 11:00 बजे तक संचालित रहेगा। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं अपने जॉब चार्ट के अनुसार शेष कार्यों का निष्पादन करेंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि गृहभेंट के माध्यम से पोषण परामर्श सेवा को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केंद्र बंद होने के पश्चात निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार घर-घर जाकर माताओं को जागरूक करेंगी। बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि गर्म हवाओं, अधिक तापमान एवं लू की स्थिति में बच्चों को सुरक्षित रूप से घर तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

घर की नौकरानी ही निकली लॉकर चोर

- ढाई लाख कैश और पूरा लॉकर लेकर फरार, से खुला राज

रायपुर। संवाददाता

न्यू राजेन्द्र नगर इलाके में भरोसे का रिश्ता ही चोरी में बदल गया जब घर की देखभाल के लिए रखी गई नौकरानी ने मौका पाकर पूरा लॉकर ही साफकर दिया और ढाई लाख रुपये लेकर फरार हो गई, लेकिन पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी को पकड़कर पूरा माल बरामद कर लिया, मामला 21 अप्रैल की रात का है जब प्रार्थी देवाशीष गुरु अपने परिवार के साथ घर से बाहर थे और घर में केवल नौकरानी मौजूद थी, इसी दौरान उसने बेडरूम की अलमारी से लॉकर निकाला और उसमें रखे 2 लाख 50 हजार रुपये लेकर फरार हो गई, घटना का पता तब चला जब प्रार्थी की पत्नी घर लौटी और अलमारी खुली मिली जबकि लॉकर गायब था, सूचना मिलते ही थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 160/26 धारा 306 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया, पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला और डीसीपी वेस्ट संदीप पटेल के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की, टीम ने घर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो साफ दिखा कि नौकरानी प्रिया ढोढी लॉकर उठाकर ले जा रही है, इसके बाद पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी।

निजी स्कूलों में मनमानी फीस वसूली पर लगेगी लगाम-मुख्य सचिव विकासशील

- शिक्षा के व्यावसायी करण को रोकने फीस विनियमन अधिनियम का कड़ाई से पालन कराएं-मुख्य सचिव

रायपुर/ संवाददाता

राज्य के कतिपय निजी विद्यालयों द्वारा पालकों से उनके पाल्यों के अध्यापन हेतु नियम विरुद्ध शुल्क वसूला जा रहा है। मुख्य सचिव श्री विकासशील इसे गंभीरता से लेते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को 'छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन विधेयक 2020' का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए हैं। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि पालकों के हितों की रक्षा एवं शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने के लिए फीस विनियमन अधिनियम का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। राज्य में 26 अगस्त 2020 से प्रभावशील इस विधेयक के अध्याय-2 की कंडिका-3 के अनुसार प्रत्येक निजी विद्यालय में विद्यालय फीस समिति का गठन अनिवार्य है। यह समिति प्रतिवर्ष पूर्व वर्ष के शुल्क से अधिकतम 8 प्रतिशत तक ही शुल्क वृद्धि का अनुमोदन कर सकेगी। 8 प्रतिशत से अधिक शुल्क वृद्धि की स्थिति में जिला फीस समिति से पूर्व अनुमोदन लेना आवश्यक होगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक निजी विद्यालय में फीस विनियमन समिति को तत्काल क्रियाशील बनाया जाए। निजी विद्यालयों से समन्वय एवं नियंत्रण के लिए नोडल प्राचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण है तथा नोडल प्राचार्य विद्यालय शुल्क विनियमन समिति के सदस्य भी होते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी, जिला शुल्क विनियमन समिति के सदस्य सचिव होते हैं। अत: जिला शिक्षा अधिकारी एवं नोडल प्राचार्यों के माध्यम से निजी स्कूलों में छत्तीसगढ़ अशासकीय शुल्क अधिनियम का पालन सुनिश्चित कराया जाए।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'से मिल रही बड़ी राहत

- डबल सब्सिडी और सौर ऊर्जा से कम हुआ बिजली बिल, बढ़ रही आत्मनिर्भरता

रायपुर/ संवाददाता

केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' प्रदेश में आम नागरिकों के लिए आर्थिक राहत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन रही है। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली इस योजना के माध्यम से उपभोक्ता न केवल अपने बिजली खर्च में कमी ला रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन कर 'ऊर्जा दाता' के रूप में भी उभर रहे हैं। इसी क्रम में सरगुजा जिले के अंबिकापुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत भगवानपुर निवासी श्री शिशिर सरकार ने इस योजना का लाभ उठाकर उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित कर बिजली के बढ़ते बिल से राहत पाई है। शिशिर सरकार ने बताया कि इस योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है, जबकि राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपये की अतिरिक्त अनुदान राशि प्रक्रियाधीन है। इस प्रकार डबल सब्सिडी के कारण सोलर सिस्टम स्थापित करना आर्थिक रूप से सहज हो गया है।उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम लगवाने से पहले उनका मासिक बिजली बिल 8 हजार से 11 हजार रुपये तक आता था, जो परिवार के लिए आर्थिक बोझ था। सौर ऊर्जा अपनाने के बाद अब बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है और उन्हें न्यूनतम खर्च वहन करना पड़ रहा है। शिशिर सरकार ने कहा कि सौर ऊर्जा स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा स्रोत है, जिससे प्रदूषण में कमी आती है। उन्होंने क्षेत्र के अन्य नागरिकों से भी इस योजना का लाभ लेने की अपील की, ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा प्रदान की जा रही आर्थिक सहायता और सरल प्रक्रिया ने सौर ऊर्जा को आम नागरिकों के लिए सुलभ बना दिया है। प्रदेश में 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन से ऊर्जा बचत, आर्थिक राहत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

प्रदेशभर में महिलाओं को आर्थिक संबल, आत्मनिर्भरता की नई दिशा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए संचालित महतारी वंदन योजना आज पूरे प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में इस योजना के माध्यम से लाखों महिलाएं सीधे लाभान्वित हो रही हैं। नियमित रूप से उनके बैंक खातों में पहुंच रही सहायता राशि से वे न केवल अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर पा रही हैं, बल्कि परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। सक्ति जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत भूरसीडीह की निवासी श्रीमती नवधा बाई पटेल इस योजना के सकारात्मक प्रभाव का जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्राप्त मासिक सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में आ रही है, जिससे घरेलू आवश्यकताओं—जैसे राशन, बच्चों की जरूरतें एवं अन्य खर्चों—की पूर्ति अब सहज हो गई है। पहले सीमित आय के कारण जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, अब वह काफी हद तक कम हो गया है। इस योजना ने उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता के साथ विश्वास और सम्मान की भावना को भी मजबूत किया है। उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है।

आयुष्मान कार्ड से लाखों रूपए का मुफ्त इलाज....

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विशेष पहल पर माओवाद छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित युवाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं का व्यापक लाभ मिल रहा है। इन युवाओं को राशन कार्ड, आधार कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज़ तेजी से उपलब्ध कराए जा रहे हैं । इसी तरह प्रशासन द्वारा इन युवाओं को आयुष्मान कार्ड बनाकर लाखों रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है इन प्रयासों से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और उन्हें आत्मनिर्भर व सम्मानजनक जीवन की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है । पुनर्वासित युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन्हें राशन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज सुगमता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं।इसी क्रम में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए आयुष्मान कार्ड भी बनाए जा रहे हैं, जिससे वे आर्थिक चिंता के बिना इलाज करा सकें। जिला चिकित्सालय बीजापुर में आयोजित कार्यक्रम में पुनर्वासित युवाओं को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। इस कार्ड के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत उन्हें बड़ा लाभ मिलेगा— प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत बीपीएल परिवारों को 5 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज एपीएल परिवारों को 50 हजार रुपये तक का इलाज लाभ मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत दुर्लभ एवं गंभीर बीमारियों के लिए 25 लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सा सहायतासाथ ही लाभार्थियों को योजनाओं के उपयोग और प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

टिकाउ एवं सतत खेती को दिया जाए बढ़ावा-आयुक्त श्रीमती निगार

- संभाग आयुक्त और सातों जिले के कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ भी हुए शामिल
- बीज निगम प्रक्षेत्र रूआबांधा में नील हरित काई उत्पादन का किया अवलोकन

रायपुर/ संवाददाता

क्षेत्रीय कृषि प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान, रूआबांधा दुर्ग के प्रशिक्षण हॉल में आज कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग श्रीमती शहला निगार की अध्यक्षता में दुर्ग संभाग की रबी 2025-26 की प्रगति एवं खरीफ2026 की कार्यक्रम निर्धारण संबंधी संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में संभाग आयुक्त श्री एस.एन. राठौर, संचालक कृषि श्री राहुल देव, एमडी मार्कफेड श्री जितेन्द्र शुक्ला, प्रबंध संचालक बीज निगम श्री अजय अग्रवाल, संचालक उद्यानिकी श्री लोकेश चन्द्राकर, प्रबंध संचालक मण्डी बोर्ड श्री महेन्द्र सक्त्री, प्रबंध संचालक बीज प्रमाणीकरण श्री अश्वनी बंजारा, अपर संचालक कृषि श्री सी.बी. लोण्डेकर, उप सचिव कृषि श्री विकास मिश्रा, महाप्रबंधक बीज निगम श्री विनोद वर्मा तथा कलेक्टर दुर्ग श्री अभिजीत सिंह सहित संभाग के अन्य जिले के कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ भी सम्मिलित हुए। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती निगार ने रबी 2025-26 में दुर्ग संभाग के दलहन, तिलहन क्षेत्र विस्तार में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए सराहना किया। उन्होंने आने वाले वर्षों में ग्रीष्मकालीन धान को हतोत्साहित कर दलहन, तिलहन, मक्का एवं अन्य फसलों के रकबा को बढ़ाने के निर्देश दिये। आगामी खरीफ 2026 में धान के स्थान पर अन्य उपयुक्त वैकल्पिक फसल जैसे सुगंधित धान, अरहर, मक्का, सोयाबीन, कपास, साग-सब्जी इत्यादि फसलों को प्रोत्साहित करते हुए सभी जिले में न्यूनतम धान की एक निर्यात योग्य विशिष्ट गुण/सुगंधित किस्म का क्लस्टर में अधिक से अधिक क्षेत्र विस्तार करने के निर्देश दिये।समीक्षा

के दौरान अवगत कराया गया कि पी.एम. आशा योजनांतर्गत दलहन, तिलहन खरीदी में राज्य के अन्य संभाग की तुलना में दुर्ग संभाग में सर्वाधिक लगभग 60,000 क्विंटल उपार्जन किया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों के मांग के आधार पर पी.एम. आशा योजना के पंजीयन तिथि में वृद्धि की जानकारी देते हुए किसानों के अधिक से अधिक उपार्जन करने तथा समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में उर्वरकों के समान एवं संतुलित वितरण सुनिश्चित करने के लिए आगामी खरीफ2026 हेतु लागू की जाने वाली नवीन ई-उर्वरक वितरण प्रणाली के संबंध में व्यापक चर्चा किया गया। नवीन ई-उर्वरक वितरण प्रणाली में एग्रीस्टेक में पंजीकृत रकबा एवं फसल के आधार पर उर्वरक का वितरण किया जायेगा। कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा जिला कलेक्टर्स से सभी किसानों का एग्रीस्टेक में तत्काल पंजीयन कराने की अपेक्षा की गयी। बैठक में मुख्य रूप से टिकाउ एवं सतत् खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया ताकि फसल उत्पादकता एवं मृदा की उर्वरकता बनी रहे व रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान इकाई द्वारा उर्वरकों के सस्ते एवं आसान वैकल्पिक उपाय हरी खाद, नील हरित काई, जैव उर्वरक, नैनों उर्वरकों के विषेष रूप से प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिस पर कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा सभी जिला कलेक्टर से इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कर इसे बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही डी.ए.पी. के वैकल्पिक उर्वरकों जैसे- नैनो डी.ए.पी., एन.पी.के., एस.एस.पी., टी.एस.पी. इत्यादि वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग पर जोर दिया गया। नील हरित काई धान फसल में नाइट्रोजन का बहुत अच्छा वैकल्पिक स्त्रोत है। बीज निगम के प्रक्षेत्र रूआबांधा, दुर्ग में उपलब्ध 40 पक्के टांके में से प्रथम चरण में 5 पक्के टांके में नील हरित काई का उत्पादन किया जा रहा है। इस संबंध में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की गयी। कृषि उत्पादन आयुक्त एवं राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा इसका अवलोकन किया गया एवं नील हरित काई उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए नये टांके में उत्पादन हेतु कल्चर डाला गया। उत्पादित नील हरित काई का उपयोग चयनित किसानों के खेतों में प्रगुणन पश्चात् धान के खेतों में किया जाएगा।

संपादकीय

रफ्तार पर भारी पड़ती मौत की राह ...

देश में सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो फीसदी राष्ट्रीय राजमार्ग है, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब तीस फीसदी तक पहुंच गई है।इसमें दोराय नहीं कि देश के विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार बेहद जरूरी होता है। आम लोगों के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली सड़कों का निर्माण भी इसी श्रेणी में आता है। देश में पिछले कुछ वर्षों में नई सड़कें बनाने की गति निश्चित रूप से तेज हुई है, लेकिन इसके साथ ही हादसों का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। विशेषकर उच्च तकनीक की मदद से तैयार किए जा रहे एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग चमकदार एवं सुविधाजनक जरूर दिखते हैं, मगर ये सुरक्षित सफर की कसौटी पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं।देश में सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो फीसदी राष्ट्रीय राजमार्ग है, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब तीस फीसदी तक पहुंच गई है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर गंभीर चिंता जताते हुए केंद्र, राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों को सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि प्रशासनिक सुस्ती या बुनियादी ढांचे की कमियों के कारण एक्सप्रेस-वे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए।गौरतलब है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के सरकार के दावों के बावजूद इनमें साल दर साल बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 में देश में 4.56 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें लगभग 1.59 लाख लोगों की मौत हो गई। वर्ष 2020 के कोरोनाकाल में पूर्णबंदी के कारण सड़क हादसों में कुछ कमी आई, लेकिन उसके बाद वर्ष 2021 में करीब 4.2 लाख, 2022 में 4.61 लाख और 2023 में 4.80 लाख दुर्घटनाएं हुईं। यानी पांच वर्षों में 21 लाख से ज्यादा सड़क हादसों में करीब आठ लाख लोगों की मौत हो गई। यह आंकड़ा वास्तव में चिंताजनक है, लेकिन इसमें कमी लाने के प्रयास सरकारी कागजों से बाहर निकलकर धरातल पर प्रभावी रूप से अमल में आते नजर नहीं आ रहे हैं। सड़कों पर जिन खतरों को टाला जा सकता है, अगर उनको वजह से लोगों की जान जाती है, तो यह स्पष्ट रूप से नागरिकों की सुरक्षा में व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है।हाल के दिनों में यह देखा गया है कि सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़ा करना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भोजनालयों की बढ़ती संख्या भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है, जहां वाहनों को सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़ा कर दिया जाता है। संबंधित महकमे की ओर से ऐसे भोजनालयों को जोखिम का आकलन किए बिना ही अनुमति दे दी जाती है। इसी के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने दिशा-निर्देशों में कहा है कि संबंधित प्राधिकरण और नियामकीय एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित स्थलों को छोड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों को कहीं भी खड़ा या रोका नहीं जाएगा।नियमानुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात पुलिस की नियमित गश्त का प्रावधान है, लेकिन इसमें भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही साफ दिखती आती है। इसके अलावा, राजमार्गों पर वाहनों की तेज गति, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामी और संकेतकों का अभाव एवं अस्पष्टता भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं।

पृथ्वी दिवस -समुद्री धाराओं पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, धरती सोख नहीं पा रही गर्मी

यदि यह प्रवाह और धीमा होता है या रुक जाता है, तो यह पृथ्वी के मौसम पैटर्न को पूरी तरह से बदल सकता है। इससे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में अचानक तापमान गिर सकता है, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी और भी बढ़ सकती है।

(उत्तम सिंह गहरवार)

सागरों-महासागरों में बहने वाली जल-धाराएं पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में काफी अहम भूमिका निभाती हैं। इन धाराओं के जरिये होने वाला जल-प्रवाह पृथ्वी के विभिन्न भागों के बीच गर्मी का आदान-प्रदान करके पूरी धरती के तापमान को संतुलित रखने में मदद करता है। चिंता की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ये समुद्री धाराएं धीमी पड़ती जा रही हैं, जिसके गंभीर परिणाम हमें आने वाले समय में मौसम में बदलाव और क्लाइमेट चेंज के रूप में देखने को मिल सकते हैं।

भूविज्ञानियों के मुताबिक अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) नामक प्रमुख समुद्री धारा प्रणाली पिछले कुछ दशकों में कमजोर हुई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र के पानी में मीठे पानी की मात्रा बढ़ रही है।

इससे समुद्री जल का घनत्व प्रभावित होने से धाराओं का प्रवाह धीमा पड़ रहा है। यदि यह प्रवाह और धीमा होता है या रुक जाता है, तो यह पृथ्वी के मौसम पैटर्न को पूरी तरह से बदल सकता है। इससे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में अचानक तापमान गिर सकता है, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी और भी बढ़ सकती है। इसके अलावा, मानसून चक्र बाधित हो सकता है, जिससे कृषि और पेयजल आपूर्ति पर काफी बुरा असर पड़ सकता है।

'पृथ्वी' में क्या-क्या है शामिल- इस साल विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) की थीम 'हमारी शक्ति - हमारा ग्रह' रखी गई है। इसी ध्येय वाक्य के साथ अर्थ डे को पूरे विश्व में मनाया जाएगा। पृथ्वी यानी धरती का मतलब अकसर लोग केवल भूमि यानी धरती के भू-भाग से समझ लेते हैं। जबकि, वास्तव में पृथ्वी एक व्यापक शब्द है, जिसके दायरे में थल के साथ-साथ जल यानी हमारे सागर-महासागर और नभ यानी हमारा वायुमंडल भी आता है। क्योंकि इनके बिना पृथ्वी जीवंत नहीं रह सकती।

इसलिए जल, थल, नभ, नदी, झीलें, तालाब, कुएं, भूमि, वन, वन्य प्राणी, सागर, महासागर जैसी सभी चीजों को पृथ्वी शब्द के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। क्योंकि, यह सब इस धरती पर अस्तित्व में शामिल हैं। ऐसे में पृथ्वी दिवस पर धरती के भूभाग के संरक्षण के साथ ही अपने वायुमंडल और सागरों-महासागरों की स्थिति पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) का महत्व- आइए, अब लौटते हैं समुद्री जल-धाराओं के अपने अपने मूल विषय पर। 'द कन्वरसेशन' के एक अध्ययन के अनुसार, पृथ्वी की सबसे शक्तिशाली समुद्री धारा अंटार्कटिका के चारों ओर बहती है। इसे अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) कहते हैं। इसे वेस्ट विंड ड्रिफ्ट भी कहा जाता है। यह दुनिया की इकलौती ऐसी समुद्री जलधारा है, जिसका प्रवाह महाद्वीपों से बाधित नहीं होता। यह धरती के तीन सबसे बड़े महासागरों अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर के बीच पानी के आदान-प्रदान का मुख्य चैनल है। इस तरह यह धारा दुनिया के मौसम का मिजाज तय करने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उसे ठीक रखने में मदद करती है।

धीमी पड़ रही सबसे ताकतवर धारा एसीसी- एक हालिया रिसर्च में पता चला है कि एसीसी का प्रवाह अगले 25 सालों में धीमा पड़ सकता है। इससे समुद्री जीवन और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के साथ-साथ धरती की वातावरण से गर्मी सोखने की क्षमता पर भी बुरा असर पड़ सकता है। गणितीय मॉडल बताते हैं कि 2050 तक एसीसी की रफ्तार में 20 फीसदी तक की कमी आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत ज्यादा होता है, तो 2050 तक इस धारा का प्रवाह मंद पड़ने के कारण अंटार्कटिक बर्फ की चादरों के पिघलने से समुद्र में मिलने वाला पानी सागर के खारे पानी को पतला कर देगा। इससे दुनिया की सबसे असरदार और महत्वपूर्ण समुद्री धाराओं में से एक एसीसी का प्रवाह बाधित हो सकता है।

अमेजन नदी से 100 गुना ताकतवर- रिसर्चरों के अनुसार एसीसी अमेजन नदी से 100 गुना ज्यादा शक्तिशाली है। यह दुनिया के महासागरों में गर्मी और पोषक तत्वों को फैलाती है। पर, चिंता की बात यह है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण दक्षिणी महासागर के हालात तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में अगर एसीसी के प्रवाह में कोई रुकावट आती है, तो महासागरों की गर्मी और कार्बन सोखने की क्षमता घट जाएगी। इससे जलवायु को नियंत्रित और बैलेंस करने की उनकी क्षमता कमजोर हो जाएगी।

वैज्ञानिकों की सख्त चेतावनी- ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के एक समुद्र विज्ञानी माइकल मेरेडिथ के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग से होने वाली 90 प्रतिशत से ज्यादा गर्मी समुद्र में जाती है। उन्होंने कहा कि अगर यह प्रक्रिया धीमी हो जाती है, तो ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए हमारे पास जो सबसे बड़ा सहारा है, वह खत्म हो जाएगा। कई अन्य रिसर्च रिपोर्ट्स में भी एसीसी के धीमे पड़ने का पूरे महासागरीय प्रवाह सहित समूची धरती की जलवायु पर भी गहरा असर पड़ सकता है।

तेजी से पिघल सकती है अंटार्कटिका की बर्फ - एसीसी धारा अगर कमजोर पड़ गई, तो गर्म पानी अंटार्कटिका पर जमी बर्फ की चादरों के करीब आ जाएगा। इससे अंटार्कटिक के ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र में मिलने लगेंगे। रिसर्चरों के अनुसार बर्फ के तेजी से पिघलने से यह धारा और कमजोर हो सकती है। इससे तापमान में बदलाव और जलवायु परिवर्तन का एक बुरा चक्र शुरू हो जाएगा। अंटार्कटिक की बर्फ तेजी से पिघलने से समुद्र का जल-स्तर भी बढ़ जाएगा, जिससे धरती के कई निचले भूभागों के जल में समाने का खतरा पैदा हो जाएगा।

गर्मी बढ़ने की आशंका हुई 30 गुनी- वैज्ञानिक दुनिया भर में पड़ रही भीषण गर्मी को विनाश का संकेत मान रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक भौगोलिक तौर पर भारत के बहुत बड़े हिस्से को एक झटके में प्रभावित करने वाली हीट वेव यानी लू अब तक 100 साल में कभी एक बार चलती थी, पर अब इसमें बढ़ोतरी देखी जा रही है। अब तो यह लू भारत के अलावा दुनिया के कई देशों को प्रभावित कर रही है। यहां तक कि दुनिया के कई ठंडे देशों में भी भीषण गर्मी का अनुभव हो रहा है। समुद्री धाराओं में बदलाव के चलते हो रहे इस जलवायु परिवर्तन से गर्मी के बढ़ने की आशंका 30 गुना तक बढ़ी है।

बढ़ती गर्मी धरती को कर रही बीमार- हाल ही के कई शोध अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिक कहते हैं कि बीते कुछ दशकों में हुई तापमान वृद्धि से धरती रुग्ण होती जा रही है। धरती का तापमान सन् 1850-1900 की औद्योगिक क्रांति से पहले के औसत तापमान की तुलना में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस ऊपर जाने की सीमा को पार करने के करीब है। तापमान में यह तेज बदलाव हम लोगों को गर्मी से होने वाले जलवायु परिवर्तन जैसी मुश्किलों की तरफ धकेल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ते तापमान के लिए इंसानी गतिविधियों के चलते मौसम में हो रहे बदलाव ही सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। यह अस्थायी तौर पर अल-नीनो इफेक्ट को हवा दे रहा है।

पृथ्वी के संरक्षण में हम भी दें योगदान- इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पृथ्वी दिवस को लेकर देश और दुनिया में जागरूकता का भारी अभाव है। सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर इस दिशा में कोई खास महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। पहले पूरी दुनिया में साल में दो दिन - 21 मार्च और 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता था, लेकिन वर्ष 1970 से 22 अप्रैल को ही पृथ्वी दिवस मनाया जाना तय किया गया है। इस एक दिन भी धरती को बचाने के लिए हमें लोगों की ओर से कोई बड़ी पहल होती देखने को नहीं मिलती।ऐसे में हम सभी को इसमें कुछ न कुछ प्रयास करना पड़ेगा। तभी हम जिस धरती पर रह रहे हैं, उसे रहने लायक बनाए रख सकते हैं। 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस के मौके पर अमेरिका में वृक्ष दिवस मना कर लोग अपने घरों के आसपास पौध रोपण करते हैं। हमें भी अपनी ओर से इस तरह के छोटे-छोटे प्रयास करके धरती की सेहत को सुधारने की कोशिशें करनी चाहिए।

पति पत्नी और वो 2- 'सब कुछ बदलता है, पतियों की फितरत नहीं' चीटिंग को नॉर्मलाइज करती एक और फिल्म?

(ज्योति जैसवाल)

पति पत्नी और वो दो का टीजर आज रिलीज हुआ है, फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'एक ही चीज है जो नहीं बदलती है पतियों की फितरत' आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह, वामिका गब्बी और सारा अली खान की फिल्म 'पति, पत्नी और वो दो' का टीजर आज रिलीज हुआ है। इसे देखते ही सबसे पहला सवाल यही उठता है- क्या फिल्में सिर्फ समाज का आईना होती हैं या फिर उसे इंफ्लुएंस भी करती हैं। भारत में सिनेमा हमेशा से रिश्तों और प्यार को बड़े पर्दे पर अलग-अलग तरीकों से दिखाता आया है। हमारे यहां तो लोग प्यार का सबक भी फिल्मों से ही सीखते हैं और सिनेमा से बहुत हद का प्रभावित होते हैं।

फिल्म स्टडीज जैसे GerbnerOs Cultivation Theory में यह माना जाता है कि मीडिया लंबे समय में सोच को प्रभावित कर सकता है, इसका सीधा और तुरंत असर भले नहीं होता है मगर धीरे-धीरे फिल्में सामाजिक धारणाओं और सोच को आकार देती हैं।

यहां 'पति, पत्नी और वो', 'घरवाली बाहरवाली', 'बीवी नंबर 1', 'साजन चले ससुराल' जैसी फिल्मों में अक्सर पुरुषों के एक्स्ट्रामैरिटल रिलेशनशिप को या तो गलती के तौर पर दिखाया गया या फिर हालात की मजबूरी बताकर पेश किया गया। और अपने लिए आवाज उठाने वाली महिला को कई बार पुराने सिनेमा में निगेटिव शेड में दिखाया गया।

आज के समय में, जब रिश्तों को लेकर लोगों की सोच पहले से ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड हो रही है, वहीं दूसरी तरफ डेटिंग और रिलेशनशिप से जुड़े नए ऐप्स भी सामने आ चुके हैं- जिनमें से कुछ खास तौर पर शादीशुदा लोगों के लिए बनाए गए हैं। ऐसे में जब समाज में पहले से ही चीटिंग और रिश्तों की अस्थिरता को लेकर इतनी चर्चाएं हैं, उस वक्त इस तरह की फिल्में सवाल तो खड़े करती हैं।

मीडिया रिसर्च के अनुसार, दर्शक फिल्मों को अपनी निजी सोच, अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर अलग-अलग तरीके से समझते हैं। इसलिए जरूरी नहीं है कि इस तरह के सिनेमा से लोग सीधे तरह से इंस्पायर होकर चीटिंग करने लगेंगे मगर इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि अगर किसी के मन में ऐसे विचार है तो ऐसी फिल्में उन विचारों को बढ़ावा जरूर दे सकती हैं।

टीजर की शुरुआती लाइन ही है- 'एक ही चीज है जो नहीं बदलती, पतियों की फितरत' और इसका अंत यह कहकर होता है कि 'पतियों का यूनिवर्स 15 मई 2026 को दिखेगा', ये इस बात की ओर इशारा करता है कि फिल्म इस नैरेटिव को आगे बढ़ा रही है कि पति और मर्द तो ऐसे ही होते हैं।

यानी कि फिल्म ये पहले से ही नॉर्मलाइज कर रही है कि पतियों का यूनिवर्स है, जहां पतियों की फितरत नहीं बदलती है। इस तरह से ये लोगों की सोच को भी शेप कर रही है- पति तो ऐसे ही होते हैंज्पत्नियां तो अंत में माफ कर देती हैं। मर्दों की तो फितरत ही होती है कि पत्नी के अलावा भी दूसरी अच्छी लगती हैं।

अभी हाल ही में मशहूर कोरियोग्राफर शक्ति मोहन ने भी एक इंटरव्यू में कहा था कि जब उन्हें 3 साल के रिलेशनशिप में चीटिंग मिली तो उनकी मां ने कहा था कि लड़का अच्छा है, और लड़के तो ऐसे ही होते हैं, तुम माफ करके उसके साथ आगे बढ़ो।

यानी कि ये सोच भीतर तक बैठ चुकी है कि लड़के तो ऐसे ही होते हैं उन्हें चीटिंग के लिए माफ किया जा सकता है।

इस वजह से भी ये सवाल उठते हैं- अगर साल 2026 में भी इसी तरह की फिल्में बनती रहेंगीज जहां पुरुषों के एक्स्ट्रामैरिटल को मजाक की तरह परोसा जाएगा और पुरुष तो ऐसे ही होते हैं कहा जाएगा तो कहीं ना कहीं ऐसा महसूस होने लगता है कि सिनेमा चीटिंग को नॉर्मलाइज कर रहा है। यह लेख लेखक की निजी राय और समझ पर आधारित है। इसका मकसद किसी व्यक्ति, जेंडर, फिल्म या समूह को निशाना बनाना नहीं है।

बढ़ते तापमान के बीच संकट में खेती, समय रहते संभलना जरूरी

विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

(रवि शंकर)

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन वैश्विक मुद्दे के रूप में उभरा है। यह कोई एक देश या राष्ट्र से संबंधित अवधारणा नहीं है, बल्कि एक वैश्विक अवधारणा है जो समस्त पृथ्वी के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। देखा जाए तो जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया में बाढ़, सूखा, कृषि संकट एवं खाद्य सुरक्षा के साथ बीमारियों का भी खतरा बढ़ा है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी (लगभग साठ फीसद) आज भी कृषि पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से आज कृषि भी अछूती नहीं है। इसलिए खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखना बहुत जरूरी है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का ही उत्पादन प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक अहम चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान, सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी के कारण मध्य-पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। बदलते पर्यावरण के कारण खेती के सामने बड़ा संकट है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन से इस शताब्दी में दुनिया भर में भुखमरी, बाढ़ और नागरिकों का पलायन बढ़ने की बात कही जा रही है। अगर तापमान में बढ़ोतरी होती है, तो एशियाई देशों में कृषि पैदावार तीस फीसद तक नीचे आ सकती है। विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। जबकि फसलों की उपज बढ़ाने में उपजाऊ मिट्टी, पानी, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव आदि का महत्वपूर्ण योगदान होता है, लेकिन इनमें से किसी भी मानक में परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कई दशकों में तापमान बढ़ता गया है।

कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें एक विशेष तापमान की आवश्यकता होती है। वायुमंडल में तापमान बढ़ने पर उनकी उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे गेहूं, सरसों, जौ और आलू आदि इन फसलों को कम तापमान की आवश्यकता होती है। तापमान का बढ़ना इनके लिए हानिकारक होता है। इसी प्रकार, ज्यादा तापमान बढ़ने से मक्का, ज्वार और धान आदि फसलों का नुकसान हो सकता है, क्योंकि ज्यादा तापमान के कारण इन फसलों में दाना नहीं बनता या फिर कम बनता है।

जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी चार आयामों- खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच, खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा। यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा, तो हमारे सामने भोजन का संकट उत्पन्न हो जाएगा। तापमान की बढ़ती गति को देखें, तो आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर होगा। उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं, जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता पड़ती है। ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान या ज्वार आदि फसलों का चरण हो सकता है, क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है। इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है। इसके अतिरिक्त तापमान बढ़ने से वर्षा में कमी होती है। इससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है। इसी के साथ सूखे की संभावना भी बढ़ी है। इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित कर रही है। आज पूरे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है और यह कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में हमारी धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिसके कारण बाढ़, सूखे और तूफान जैसी कुदरती आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि अपने देश में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह गिर रही है। भारत के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि हमारे यहां साठ फीसद जनसंख्या खेती से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि ही उनके जीवनयापन का मुख्य स्रोत है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ा कर रहा है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी वर्ष कर साढ़े नौ अरब हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा भोजन पैदा करना होगा। इसलिए अब खाद्य और कृषि प्रणाली को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाना होगा और इसे ज्यादा उपजाऊ तथा टिकाऊ बनाने की जरूरत होगी। ऐसे में कृषि के विभिन्न तरीकों का पुनरावलोकन कर पर्यावरण को कम से कम क्षति पहुंचाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल वांछनीय है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आ रहा है। लिहाजा कोई भी देश इसके असर से बच नहीं सकता। निसंदेह यह चिंता की बात है कि बढ़ते तापमान का संकट बहुत गहरा है। यह भारत के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करेगा। इसलिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना आवश्यक है, जिससे हमारे कृषक जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करते हुए फसलों का उत्पादन कर सकें और उन्हें समुचित लाभ भी मिल सके। साथ ही, कृषि से उनका मोह भंग भी न हो। चूंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, इसलिए इसमें कमी लाने के लिए सभी स्तरों पर ठोस उद्यमी की जरूरत है।

पुर के ब्रेहबेड़ा की नन्हीं पारूल को मिली नई धड़कन: 'प्रोजेक्ट धड़कन' ने 2 साल की बच्ची को दिया नया जीवन

अबूझमाड़ अंचल के दूरस्थ ब्रेहबेड़ा गांव से रायपुर के श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल तक इलाज का

नारायणपुर। नारायणपुर जिले के दूरस्थ ब्रेहबेड़ा गांव की 2 वर्षीय पारूल दुग्गा अब फिर से मुस्कुरा रही है। कुछ समय पहले तक यह नन्हीं बच्ची जल्दी थक जाती थी, सामान्य बच्चों की तरह खेल नहीं पाती थी और परिवार उसकी सेहत को लेकर लगातार चिंतित रहता था। गांव के सीमित संसाधनों के बीच माता-पिता को यह भी पता नहीं था कि उनकी बच्ची के हृदय में गंभीर समस्या है। लेकिन जिले में शुरू किए गए प्रोजेक्ट धड़कन ने न केवल बीमारी की समय पर पहचान की, बल्कि पारूल को नया जीवन भी दे दिया। नारायणपुर जिले में बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से फरवरी 2026 में ÷प्रोजेक्ट धड़कन÷ की शुरुआत की गई थी। इस विशेष अभियान का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों की हृदय संबंधी जांच कर गंभीर मामलों की शुरुआती अवस्था में पहचान करना है, ताकि समय रहते उनका उपचार कराया जा सके। खास बात यह है कि यह पहल उन सुदूर क्षेत्रों तक पहुंची, जहां पहले विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहद सीमित थी। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने गांव-गांव जाकर बच्चों की स्क्रीनिंग की। प्रथम चरण में 3000 से अधिक बच्चों की जांच की गई। इस दौरान तीन बच्चों में हृदय रोग के संभावित लक्षण पाए गए। इनमें ब्रेहबेड़ा की पारूल दुग्गा भी शामिल थी। जब पारूल के परिवार को बच्ची की बीमारी की जानकारी मिली तो चिंता बढ़ गई, लेकिन पहली बार उम्मीद भी जगी। प्रशासन ने तुरंत बेहतर इलाज की व्यवस्था की। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इन बच्चों को रायपुर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल के लिए रवाना किया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। रायपुर पहुंचने पर श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पारूल की विस्तृत जांच की। जांच में उसके हृदय में गंभीर समस्या की पुष्टि हुई, जिसके लिए ऑपरेशन आवश्यक बताया गया। परिवार के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय था, लेकिन जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा विशेषज्ञों के समन्वय से उपचार की पूरी प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। 10 अप्रैल 2026 को श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, रायपुर में पारूल की सफल हृदय सर्जरी की गई। ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों की निगरानी में उसकी लगातार देखभाल की गई। आज पारूल अपने घर लौट चुकी है। वह खेल रही है, मुस्कुरा रही है और परिवार की गोद में नई ऊर्जा के साथ पल रही है। वही अब परिवार के चेहरे पर सबसे बड़ी मुस्कान बन गई है। कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा कि ÷प्रोजेक्ट धड़कन÷ का उद्देश्य केवल बीमारी की पहचान करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद बच्चों को समय पर जीवनरक्षक उपचार दिलाना है। उन्होंने कहा कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले किसी भी बच्चे को स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में कठिनाई न झेलनी पड़े, इसके लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम, चिकित्सकों, मैदानी कर्मचारियों और अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल जिले में बाल स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। आने वाले समय में और अधिक बच्चों की स्क्रीनिंग कर संभावित मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। पारूल की कहानी सिर्फ एक सफल ऑपरेशन की कहानी नहीं है। यह उस बदलाव की कहानी है, जहां जंगलों और पहाड़ों के बीच बसे गांवों तक संवेदनशील शासन पहुंच रहा है। यह उस भरोसे की कहानी है, जिसमें दूरस्थ परिवारों को भी विश्वास है कि उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। ÷प्रोजेक्ट धड़कन÷ अब नारायणपुर में एक योजना भर नहीं, बल्कि उन परिवारों के लिए उम्मीद का नाम बन चुका है, जिनके लिए हर नन्हीं धड़कन सबसे कीमती है।

लक्ष्य से पीछे राजस्व वसूली पर आयुक्त सख्त, अधिकारियों को लगाई फटकार

दुर्ग। नगर पालिक निगम में नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही राजस्व वसूली को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है।आयुक्त सुमित अग्रवाल ने वार्डवार राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक माह निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि अप्रैल माह के लिए 10 प्रतिशत राजस्व वसूली का लक्ष्य तय किया गया है, इस पर आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने बड़े बकायेदारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्ती से वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक होने पर बकायेदारों के नल कनेक्शन काटने तथा वारंट जारी कर वसूली की कार्रवाई भी की जाए। साथ ही जनगणना के तहत मिले मकान नंबरों को डिमांड रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए गए, ताकि कर निर्धारण और वसूली में पारदर्शिता और सटीकता बनी रहे। इसके अलावा पांडुलिपि सर्वे का कार्य शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया।

दूरस्थ लंका में लगा सुशासन आपके द्वार शिविर सैकड़ों ग्रामीणों को मिला शासकीय योजनाओं का लाभ

नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में जिले में नियद नेल्लनार योजना के अंतर्गत दूरस्थ एवं पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शासन की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शिविर का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में ओरछा विकासखंड से लगभग 65 किलोमीटर तथा जिला मुख्यालय नारायणपुर से करीब 130 किलोमीटर दूर, इन्द्रावती नदी के किनारे स्थित और बीजापुर जिले की सीमा से लगे जिले के अंतिम ग्राम लंका में 23 एवं 24 अप्रैल को दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। नदी-नालों, पहाड़ों और दुर्गम से अति दुर्गम रास्तों को तय कर जिला प्रशासन की टीम इस सुदूर क्षेत्र तक पहुंची, जहां आजादी के बाद पहली बार इस प्रकार का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह क्षेत्र कभी नक्सलियों का गढ़ माना जाता था, लेकिन अब यहां शासन की योजनाएं सीधे ग्रामीणों तक पहुंच रही हैं। शिविर में लंका सहित डोंडिमरका, पदमेटा, तालावाड़ा और कारंगुल के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान सुशासन एक्सप्रेस वाहन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस वाई-फाई युक्त मोबाइल सेवा वाहन के माध्यम से ग्रामीणों के लिए 27 प्रकार के जरूरी दस्तावेज मौके पर ही बनाए गए। इंटरनेट सुविधा से युक्त इस वाहन के जरिए आधार, प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित कार्य तत्काल संपन्न किए गए, जिससे ग्रामीणों को बार-बार दूरस्थ कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 17,520 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 16,279 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है, जो शासन की त्वरित सेवा वितरण प्रणाली को दर्शाता है। लंका ने आयोजित शिविर के दौरान कुल 310 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 242 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों की प्रक्रिया जारी है। प्राप्त आवेदनों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के 99 आवेदन, आधार कार्ड के 80, राशन कार्ड के 25, जाति प्रमाण पत्र के 3 तथा निवास प्रमाण पत्र के 2 आवेदन शामिल रहे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के 18, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 22, मनरेगा जॉब कार्ड के 34 तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के 10 आवेदन भी प्राप्त हुए। शिविर में कृषि, स्वास्थ्य, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, खाद्य, राजस्व, समाज कल्याण, आदिवासी विकास, निर्वाचन एवं बैंकिंग सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई और मौके पर ही पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया कि नियद नेल्लनार योजना के अंतर्गत आयोजित ये शिविर अबूझमाड़ जैसे दुर्गम और पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शासन की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं मिल रही हैं और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है, जिससे उनका विश्वास भी बढ़ रहा है। उन्होंने जानकारी दी है कि अगला शिविर 29 एवं 30 अप्रैल को आदनार में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मलमेटा, कोंजे और बोड्डुम के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। प्रशासन ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

गुमशुदा पतासाजी में फरसगांव पुलिस को मिली बड़ी सफलता

कोण्डागांव। नाबालिक पुत्र उम्र 16 वर्ष जो कि अपने दोस्त के साथ घनोरा मेला घूमने गया था को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला फुसला कर अपहरण कर ले गया है कि सूचना पर थाना फरसगांव में अपराध क्रमांक 53/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। इसी प्रकार 22 अप्रैल प्रार्थी राजू राम दीवान निवासी मोहलई द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि इसकी पत्नी घनई बाई 20 अप्रैल के रात्रि से लापता है के रिपोर्ट पर गुम इंसान क्र 13/2026 पंजीबद्ध कर जांच कार्यवाही में लिया गया। कार्यवाही मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार एवं अति पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन में एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अभिनव उपाध्याय के कुशल पर्यवेक्षण में वर्तमान में जिला कोण्डागांव में गुमशुदा बालक / बालिका एवं महिला / पुरुष के बरामदगी के लिए ऑपरेशन मुस्कान एवं ऑपरेशन तलाश जारी है। उक्त ऑपरेशनों के तहत् गुमशुदा को दस्तयाब करने थाना प्रभारी फरसगांव निरीक्षक चंद्रशेखर श्रीवास के नेतृत्व में थाना की संयुक्त टीम गठित कर पतासाजी की जा रही थी।

इसी तारतम्य में 16 वर्षीय अपहृत बालक वरुण कुमार भंसारे निवासी नवीन कॉलोनी फरसगांव एवं गुमशुदा महिला घनई बाई उम्र 35 वर्ष निवासी मोहलई को थाना फरसगांव पुलिस द्वारा आज 24 अप्रैल को बरामद कर विधिवत कार्यवाही पश्चात उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता: ऑपरेशन मुस्कान-आपरेशन तलाश के तहत एक नाबालिक सहित 03 बालिकाएं खोज निकाला

कोण्डागांव। थाना केशकाल उपस्थित आकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि नाबालिक पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है जिसके रिपोर्ट पर 8 मार्च, 20 अप्रैल, व 04 अप्रैल 2026 को थाना में गुम इंसान दर्ज कर गुम बालिका नाबालिक होने और किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अपहृत कर लेने की अंदेशा पर से थाना में अपराध क्रमांक 49/2026, 72/2026, 59/2026 धारा 137 (2) बीएनएस. के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जिला में चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान ऑपरेशन तलाश के तहत पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल के द्वारा तत्काल टीम गठित कर पार्टी पता तलाश हेतु रवाना करने का निर्देश देने से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्र एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरुण नेताम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी को त्वरित दिशा निर्देश करते हुए गुम बालिकाओं को ढूंढने का प्रयास करने का निर्देशित करने से त्वरित कार्यवाही कर थाना प्रभारी विकास बघेल के द्वारा थाना केशकाल से 03 पुलिस पार्टी टीम गठित कर अलग अलग जगह रवाना किया गया। विवेचना के दौरान खोजबीन किया गया जिस पर एक बालिका को बालोद जिला के पुरूर बस स्टैण्ड व एक बालिका को ग्राम घिवारी जिला गोंदिया महाराष्ट्र से एवं एक बालिका को अन्नाराम एयरफोर्स एकेडमी के पास हैदराबाद तेलंगाना से बरामद किया गया एवं उक्त बालिकाओं को पूछताछ किया जाकर माननीय न्यायालय से भी कथन कार्यवाही कराया गया जिस पर बालिकाओ द्वारा किसी प्रकार का कोई व्यक्ति विशेष द्वारा घटना कारित नहीं करना अवगत करायें है। गुम इंसानों को त्वरित कार्यवाही करते हुए बरामद कर परिजन को सुपुर्द किया गया गुम बालिकाओं को सुरक्षित पाकर परिजनों के आंखें नम होकर पुलिस के प्रति सहानुभूति और उनकी मेहनत को देखकर काफी सराहना किए हैं। संपूर्ण कार्रवाई में उप निरीक्षक प्रेमनाथ बघेल, सउनि. अनिता मेश्राम, प्रधान आरक्षक ईश्वर नेताम, प्रधान आरक्षक विनय बघेल, महिला प्रधान आरक्षक विमला मंडावी महिला प्रधान आरक्षक माधुरी रावटे, महिला आरक्षक अहिल्या यादव, महिला आरक्षक सोनल यादव, आरक्षक गिरजू मरकाम, आरक्षक अमित मंडावी एवं साइबर सेल कोंडागांव के आरक्षक जितेंद्र मरकाम आरक्षक बीजू यादव की अहम भूमिका रही है।

हाईवे में बस अनियंत्रित होकर पलटी, 3 गंभीर घायल, एक का हाथ काटकर हुआ अलग

कोण्डागांव। शनिवार तड़के करीब 4 बजे सवारी से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस चालक समेत तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। गंभीर घायलों में एक यात्री का हाथ काटकर शरीर से अलग हो गया है। घटना सिटी कोतवाली कोण्डागांव अंतर्गत नेशनल हाईवे 30 पर घोड़ागांव चिलबहार नाला के पास हुआ हैं। जानकारी के अनुसार, रायपुर से जगदलपुर होते हुए जयपुर (ओड़िसा) जा रही दुबे ट्रेवलर की बस सीजी 04 ईए 4882 सिटी कोतवाली कोण्डागांव अंतर्गत नेशनल हाईवे 30 पर घोड़ागांव चिलबहार नाला के पास अनियंत्रित होकर पलट गई है। प्रारंभिक आशंका है कि, तड़के सुबह बस के सामने अचानक कोई जानवर आ जाने के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस पलट गई। चालक की गंभीर स्थिति के चलते इस आशंका की पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई है। हादसे में घायल यात्रियों में नवीन, अशद और बस चालक रोशन साहू शामिल है। इनमें नवीन का हाथ कटकर अलग हो गया, जिसे दिल्ली निवासी बताया जा रहा है, हालांकि नवीन के पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तीनों घायलों का जिला अस्पताल कोण्डागांव में उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली कोण्डागांव पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थानीयों के साथ राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

महिला आरक्षण बिल पर कोण्डागांव में सियासी घमासान, भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

कोण्डागांव। महिला आरक्षण बिल को लेकर कोण्डागांव जिले में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने अलग-अलग प्रेसवार्ता कर एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाए और अपने-अपने पक्ष रखे। दोनों दलों की प्रेसवार्ताओं के बाद महिला आरक्षण का मुद्दा कोण्डागांव में राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है, जहां आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। भाजपा की ओर से आयोजित प्रेसवार्ता में पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विधायक लता उसेंडी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस कानून के क्रियान्वयन में बाधा डालने की कोशिश कर रहा है और नकारात्मक राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू होने से महिलाओं की भागीदारी में ऐतिहासिक वृद्धि होगी। साथ ही भाजपा द्वारा इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाने और 30 अप्रैल तक विभिन्न स्थानीय निकायों में कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रपति को भेजने की बात कही। प्रेसवार्ता में पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इधर, कांग्रेस ने भी प्रेसवार्ता कर भाजपा पर दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाया। पीसीसी से नियुक्त प्रभारी डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने कहा कि महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023) पहले ही संसद से पारित होकर कानून बन चुका है, लेकिन भाजपा इसे लागू नहीं कर रही है।

नक्सलमुक्त बस्तर में अब हो रहे है तेजी से निर्माण कार्य

नारायणपुर। नक्सलमुक्त आबूझमाड़ क्षेत्र में अब निर्माण कार्य तेजी से किये जा रहें। क्षेत्र में सड़क, जल निकासी, ओवरहेड टैंक, लघु सिंचाई योजना सहित अन्य अधोसंरचनाओं के कार्यो ने जोर पकड़ लिया है पिछले दिनों नक्सलमुक्त आबूझमाड़ में सीटीई की टीम ने विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। टीम ने नारायणपुर के हरिमार्कटोला, सड़क का निरीक्षण किया।

टीम ने देखा कि निर्मित सड़कों मोटाई और चौड़ाई को सही मानक स्तर की है, इसी तरह ग्राम ओरछा ब्लाक में निर्मित शेड की निरीक्षण किया गया । जिले के ग्राम पालकी में निर्मित ओवरहेड टैंक की टीम ने निरीक्षण किया। इसी तरह से जल निर्माण संसाधन विभाग के अंतर्गत बैनूर रिजर्वायरके नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। टीम ने उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी ली एवं अधिकारियों को जरूरी मार्गदर्शन भी दिया।

नक्सलमुक्त बस्तर में अब विभिन्न निर्माण कार्यों के निरीक्षण करने जांच एजेन्सीयों के दल आसानी से पहुंच रहे हैं। तकनीकी टीमों द्वारा निर्माण कार्यों को कराने स्थानिय अधिकारियों को उचित मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है, जिससे अब अबूझमाड़ में निर्माण कार्य तेजी से किए जाने लगे हैं।

अष्टम प्रहर हरिनाम संकीर्तन से भक्तिमय हुआ किरंदुल

किरंदुल। बंगाली कैंप दुर्गा मंदिर परिसर में बंगाली सोशल एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा आयोजित अष्टम प्रहर हरिनाम संकीर्तन महायज्ञ शनिवार 25 अप्रैल की सुबह से पूरे उत्साह के साथ चल रहा है। यह आयोजन लगातार 13वें साल से अनवरत जारी है। शुक्रवार 24 अप्रैल को शाम 4 बजे गंगा वरण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद शाम 7 बजे से रात 10:30 बजे तक अधिवास कीर्तन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। शनिवार सुबह 6 बजे से अखंड हरिनाम संकीर्तन शुरू हो चुका है, जो रविवार 26 अप्रैल की सुबह 6 बजे तक लगातार चलता रहेगा। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है और पूरा क्षेत्र ÷हरे कृष्ण हरे राम÷ महामंत्र की गूंज से भक्ति में डूबा हुआ है। इस महायज्ञ की खास बात पश्चिम बंगाल से आए प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों की प्रस्तुति है। भक्त पागला संप्रदाय, यशोदा विजय संप्रदाय, राधारानी संप्रदाय और ब्रजगोपाल संप्रदाय अपने मधुर कीर्तन से श्रद्धालुओं को भक्ति में डुबो रहे हैं। इस दौरान संकीर्तन के दिनों में रोजाना दोपहर और रात को भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। रविवार 26 अप्रैल को सुबह 6:15 बजे से नगर संकीर्तन निकाला जाएगा, जिसमें पूरे नगर में भक्ति का संदेश दिया जाएगा। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे से विशाल महाप्रसाद भंडारे का आयोजन होगा। रात में लीला कीर्तन के साथ इस भव्य धार्मिक कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

आवारा मवेशियों पर नियंत्रण के लिए निगम का विशेष अभियान शुरू

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों में आवारा मवेशियों के कारण नागरिकों को हो रही असुविधा और संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए दुर्ग नगर निगम द्वारा विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस पहल का उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। निगम की टीम द्वारा मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़ने का कार्य नियमित रूप से दो शिफ्टों में किया जा रहा है। अतिक्रमण टीम ने आज आमदी मंदिर के पीछे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर काऊ कैचर वाहन की सहायता से मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़ा। रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पकड़े गए मवेशियों को रेडियम पट्टी पहनाई जा रही है, ताकि अंधेरे में भी वे स्पष्ट रूप से दिखाई दें।

संक्षिप्त समाचार

सफलता की कहानी-संकट में मिली संजीवनी, देवरीखुर्द निवासी शिवांश रामटेके को मिली 15 लाख की स्वास्थ्य सहायता

बिलासपुर। देवरीखुर्द निवासी मनीष रामटेके को अपने पुत्र शिवांश रामटेके के इलाज के लिए मुख्यमन्त्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से बड़ी राहत मिली है सिकलसेल की गंभीर बीमारी से जूझ रहे 15 वर्षीय बालक को इस सहायता से जीवनदान मिला है जिसके लिए परिवार ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। देवरीखुर्द निवासी मनीष रामटेके ने बताया कि उनके जीवन की सबसे बड़ी चुनौती तब खड़ी हो गई, जब उन्हें ये पता चला कि उनका पुत्र सिकलसेल की गंभीर बीमारी से ग्रसित है। प्राइवेट कंपनी में नौकरी से महँगा इलाज करा पाना उनके लिए संभव नहीं था ऐसे में उन्हें मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना की जानकारी मिली और उन्होंने इसके लिए आवेदन किया। त्वरित रूप से उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और उन्हें 15 लाख रुपए इलाज के लिए मिले। मनीष कश्यप बताते हैं कि यह दिन उनके लिए सबसे बड़ी खुशी का दिन था उन्हें बेटे के इलाज और जीवन बचाने की उम्मीद मिली योजना के तहत 15 लाख रुपए की आर्थिक सहायता से बेटे के इलाज का रास्ता आसान हुआ और परिवार के जीवन में खुशियां लौटी, शिवांश इलाज के बाद अब पूरी तरह स्वस्थ है और डाक्टरों की निगरानी में है। शिवांश के पिता भावुक होकर कहते हैं कि मुख्यमन्त्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल ने उनके बेटे को नया जीवन दिया है , जिसके लिए वे उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

हाईकोर्ट का अहम फैसला: 55 वर्षीय दंपती को आईवीएफ से दोबारा माता-पिता बनने की अनुमति

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक संवेदनशील मामले में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए अपनी इकलौती संतान खो चुके दंपती को इन विट्रो फर्टिलाइजेशन के माध्यम से दोबारा माता-पिता बनने की अनुमति प्रदान की है। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने स्पष्ट किया कि संतान प्राप्ति का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है। मामला बिलासपुर हाईकोर्ट कॉलोनी में रहने वाले दंपती से जुड़ा है, जिनकी 2022 में इकलौती बेटी का असामयिक निधन हो गया था। इसके बाद दंपती ने पुन: परिवार बसाने का निर्णय लिया और एक निजी ब्लड्स केंद्र से परामर्श लिया। चिकित्सा जांच में दोनों को स्वस्थ पाया गया, लेकिन पति की आयु 55 वर्ष पार होने के कारण केंद्र ने इलाज से इंकार कर दिया। असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजीअधिनियम 2021 के तहत पुरुषों के लिए अधिकतम आयु 55 वर्ष और महिलाओं के लिए 50 वर्ष निर्धारित है। इसी प्रावधान का हवाला देते हुए उपचार शुरू नहीं किया गया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि प्रजनन स्वायत्तता व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का हिस्सा है और इसे केवल तकनीकी आधार पर सीमित नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आयु सीमा पुरुष और महिला के लिए अलग-अलग लागू होती है। चूंकि महिला की आयु निर्धारित सीमा के भीतर है और वह चिकित्सकीय रूप से सक्षम हैं, इसलिए केवल पति की आयु अधिक होने के आधार पर दंपती को माता-पिता बनने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत के इस फैसले को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रक ने ली शिक्षिका की जान, साथी गंभीर रूप से घायल

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर-रामानुजगंज मुख्य मार्ग पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूल जा रही दो शिक्षिकाएं ट्रक की चपेट में आ गईं। हादसे में एक शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना बसंतपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, दोनों शिक्षिकाएं स्कूटी से करमडीहा स्थित अपने विद्यालय जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक शिक्षिका ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनकी साथी रजनी केवट गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल शिक्षिका को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तत्काल वाड्रफनगर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही बसंतपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

मंदिर परिसर में प्रस्तावित पुलिया निर्माण को लेकर बढ़ा विवाद,ग्रामीणों द्वारा किया गया जोरदार विरोध

सूरजपुर संवादाता:— जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत पहाड़ अमोरनी के सरासोर क्षेत्र में सेतु विभाग द्वारा प्रस्तावित पुलिया निर्माण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। धार्मिक आस्था के केंद्र सरासोर मंदिर परिसर में निर्माण प्रस्ताव को लेकर ट्रस्ट समिति, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने एकजुट होकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। सरासोर मंदिर परिसर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में ट्रस्ट समिति, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने भविष्य में संभावित खतरों और धार्मिक स्थल को होने वाले नुकसान को ध्यान में रखते हुए विस्तृत चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर विभाग के इंजीनियर उत्तम कुमार ध्रुव को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें स्पष्ट रूप से पुलिया निर्माण का स्थान बदलकर किसी अन्य उपयुक्त स्थल पर कार्य कराने की मांग की गई। बैठक में उपस्थित लोगों ने आरोप लगाया कि विभागीय इंजीनियर का रवैया लगातार असहयोगपूर्ण रहा है। ग्रामीणों द्वारा बार-बार आपत्ति दर्ज कराने और निर्माण कार्य को रोकने की मांग के बावजूद मंदिर परिसर में ही सर्वे कार्य कराया गया और मशीनें उतारी गईं। आरोप यह भी है कि यज्ञशाला से सटे क्षेत्र में पुलिया निर्माण के लिए कार्य को आगे बढ़ाने की कोशिश की गई, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों और ट्रस्ट समिति का कहना है कि यदि मंदिर परिसर के भीतर ही पुलिया निर्माण किया जाता है, तो इससे धार्मिक स्थल को गंभीर क्षति पहुंच सकती है। सरासोर मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष बड़े स्तर पर मेला आयोजित होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे में पुलिया निर्माण के बाद भीड़-भाड़ के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा मंदिर परिसर की सौंदर्यता, व्यवस्था और रखरखाव पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ने की बात कही गई। बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष लोमस राजवाड़े सहित मोहन राजवाड़े, प्रदीप पैकरा, प्रवीण राजवाड़े, राम मिलन पैकरा, रामनाथ रवि, शिवकुमार नायक, केशवर पैकरा, राधेश्याम पैकरा, प्रदीप सोनी, रामविलास, महेश पैकरा, अर्जुन पैकरा, श्रीराम पैकरा, अर्जुन राम पैकरा तथा मंदिर के पुजारी नागेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में मंदिर परिसर से होकर बनने वाले पुलिया निर्माण का विरोध करते हुए इसे तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब स्थानीय स्तर पर लगातार विरोध हो रहा है और वैकल्पिक स्थल की मांग की जा रही है, तब भी संबंधित अधिकारी मंदिर परिसर के भीतर ही निर्माण कार्य कराने पर क्यों अड़े हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर मामले का समाधान निकालने, धार्मिक आस्था के केंद्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जनभावनाओं का सम्मान करते हुए निर्माण कार्य को अन्य उपयुक्त स्थान पर कराने की मांग की है।

बलसेड़ी में 'मन की बात' श्रवण के साथ स्वास्थ्य शिविर और जन चौपाल का आयोजन, शिव मंदिर जीर्णोद्धार का भूमि पूजन

- जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, विकास कार्यों को गति देने का दिया आश्वासन

अम्बिकापुर। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-01 के ग्राम बलसेड़ी में प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया के साथ कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा किया गया। इस अवसर पर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान जन चौपाल का आयोजन भी किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत के ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। श्रीमती सिसोदिया ने सभी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। इसी क्रम में श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया द्वारा बलसेड़ी स्थित शिव मंदिर के लगभग 5 लाख रुपये की लागत से होने वाले जीर्णोद्धार कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं तथा जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता है। कार्यक्रमों में परसा मंडल महामंत्री अमृत लाल यादव, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रोहन मंडल, रमेश कुमार चेरवा, सरपंच हुबलाल, कुल्हाड़ी सरपंच करमचंद, मोती यादव, अनिल ठाकुर, चंद्रिका यादव, रमेश ठाकुर, गायत्री ठाकुर, शामिल राम, बालकुमारी सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों के खराब होने की वर्षगांठ मना अपना प्रतिरोध कराया

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर शहर के डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड और कबीर वार्ड के कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं ने वार्ड की सड़कों के खराब होने की वर्षगांठ मनाते हुए अपना प्रतिरोध दर्ज किया है। इन सड़कों की बदहाली को लेकर इन दोनों वार्डों की महिला पार्षदों के विरोध में कांग्रेस के वार्ड और बूथ स्तर की कार्यकर्ताएं बड़ी संख्या में मौजूद थी। विरोध स्वरूप केक काटा कर इन गड्ढे भरे मार्गों में सफर कर रहे राहगीरों को केक, चॉकलेट खिलाया गया और पानी पिलाया गया। इन वार्डों से संबंधित कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष गुरुप्रीत सिद्धू ने कहा कि इन वार्डों से संबंधित जनप्रतिनिधियों की दिलचस्पी स्वयं के सुविधाओं में वृद्धि करने की है न कि वार्डवासियों की सहायता की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के एक मार्ग पहले ष्ट्ट रोड के रूप में ढाला गया और उसके बाद उसपर डामरीकरण भी किया गया, जबकि वार्डवासियों के उपयोग के आम मार्ग के गड्ढों में मिट्टी तक नहीं डाला गया है। वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि बरसात पूर्व अगर सडकों का निर्माण नहीं किया गया तो आंदोलन किया जायेगा। इस दौरान शशिकला पार्षद के आवास को जोड़ने वाला श्रीवास्तव, सीमा सिंह,शिप्रा शर्मा, शोभा शर्मा, बसंती सिंह, ललिता यादव, मंजू सिंह, यादव,संगीता कश्यप, अंजली , रिया दास , अमानत खान, लक्ष्मण खुसरो, अजय सिंह, राजेश चौधरी ,सत्यमसिंह, मनीष सिंह,रंजीत सोनकर, राजेश चौधरी, त्रिशांत सिंह, रविंद्र नाथ तिवारी, सोना खान, इरफान खान आदि मौजूद तिवारी, नीतू शर्मा, शीला थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 से साकार हो रहा पक्के घर का सपना

कोरबा। कभी टपकती छत के नीचे बीतती रातें, हर बारिश के साथ बढ़ती चिंता, और बच्चों की सुरक्षा को लेकर हर पल का डर3 ऐसे ही अनगिनत संघर्षों के बीच एक पक्के घर का सपना कई परिवारों के लिए केवल एक अधूरी चाह बनकर रह जाता था। लेकिन अब वही सपना साकार हो रहा है। सरकार की संवेदनशील सोच और जनकल्याणकारी प्रयासों ने उन उम्मीदों को नया आसमान दिया है, जिनके पास कभी अपना आशियाना नहीं था। अब केवल घर नहीं बन रहे, बल्कि सुरक्षित भविष्य, सम्मान और आत्मविश्वास की नींव भी रखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना ने न केवल लोगों को छत दी है, बल्कि उनके जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास भी बढ़ाया है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत कोरबा जिले के आरामशीन बुधवारी क्षेत्र में निवासरत पिंटू साहू के परिवार का वर्षों पुराना सपना अब साकार होने जा रहा है। उनकी पत्नी श्रीमती कंचन साहू के नाम से आवास स्वीकृत हुआ है। श्रीमती साहू ने बताया कि उन्हें योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया, जिसके बाद महज एक माह के भीतर उनका आवास स्वीकृत हो गया और उन्हें प्रथम किस्त के रूप में 63 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई।

उपाध्यक्ष आकाश अग्रवाल द्वारा राजपुर डेली सब्जी मार्केट के पास हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ठंडा रसना शरबत प्याऊ की व्यवस्था..

राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर में भीषण गर्मी के बीच समाजसेवा की एक सराहनीय पहल सामने आई है। नगर के प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक अग्रवाल जिन्हें स्थानीय लोग कंबल वाले बाबा के नाम से जानते हैं, तथा जनपद पंचायत राजपुर के उपाध्यक्ष आकाश अग्रवाल द्वारा राजपुर डेली सब्जी मार्केट के पास हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ठंडा रसना शरबत प्याऊ की व्यवस्था की गई है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह प्याऊ शुरू किया गया है। यहां राहगीरों, मजदूरों, ग्रामीणों और बाजार आने-जाने वाले लोगों के लिए ठंडा शरबत उपलब्ध कराया जा रहा है। तपती धूप में यह पहल लोगों के लिए काफी राहत भरी साबित हो रही है, जहां दूर-दूर से लोग आकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। अशोक अग्रवाल लंबे समय से समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय हैं और कंबल वाले बाबा के नाम से क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं। वे न केवल गर्मी के मौसम में शरबत वितरण की व्यवस्था करते हैं, बल्कि नवरात्रि के अवसर पर भी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण का आयोजन करते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं नगरवासी भाग लेते हैं। इस पुनीत कार्य में आकाश अग्रवाल का भी सक्रिय योगदान देखने को मिल रहा है। दोनों समाजसेवियों की इस पहल को स्थानीय लोगों द्वारा सराहा जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि इस तरह के कार्य न केवल समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देते हैं, बल्कि जरूरतमंदों को राहत भी पहुंचाते हैं। भीषण गर्मी के इस दौर में ठंडा रसना शरबत प्याऊ की यह व्यवस्था लोगों के लिए किसी राहत केंद्र से कम नहीं है और समाजसेवा का यह उदाहरण अन्य लोगों को भी प्रेरित कर रहा है।

महतारी वंदन योजना के तहत ई केवाईसी के तहत हितग्राहियों से 50-50 रुपए की अवैध वसूली.....

सीएससी संचालक ने स्वीकारा

सरगुजा। सरगुजा जिले में महतारी वंदन योजना अंतर्गत हितग्राहियों को नियमित रूप से बिना किसी बाधा के योजना का लाभ मिल सके इसके लिए हितग्राहियों के दस्तावेजों के सत्यापन हेतु ई केवाईसी व्यापक स्तर पर सीएससी सेंटर में नि:शुल्क किए जाने निर्देश दिए गए है। लेकिन सीएससी संचालकों के द्वारा ई केवाईसी के नाम पर 20, 50,100 रुपए अवैध वसूली की जा रही है। महतारी वंदन योजना का नियमित रूप से हितग्राहियों को लाभ मिल सके इसके एवज में सीएससी संचालकों को 50-50 रुपए देने ग्रामीण मजबूर है।दरअसल पूरा मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम अरगोती सीएससी सेंटर का है। ग्रामीणों के द्वारा आरोप लगाया गया है कि अरगोती सीएससी संचालक के द्वारा ई केवाईसी के नाम पर सैकड़ो हितग्राहियों से 50-50 रुपए का अवैध वसूली किया जा रहा है। जबकि ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सरपंच और सचिव शाहिद स्थानीय जनप्रतिनिधियो की गई थी। जनप्रतिनिधियों के द्वारा सीएससी संचालक कोहित कराइयों से अवैध वसूली न करते हुए ई केवाईसी करने समझाइस दी गई थी। परंतु सीएससी संचालक के द्वारा समझाइस के बावजूद हितग्राहियों से 50-50 रुपए की केवाईसी के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। कार्रवाई नहीं होने के अभाव में सीएससी संचालकों के द्वारा भोले भाले ग्रामीणों से ई केवाईसी के नाम पर खुलेआम अवैध वसूली किया जा रहा है आप देखने वाली बात होगी कि शासन प्रशासन के द्वारा इन

संचालकों के ऊपर किस प्रकार की कार्रवाई की जाती है या कार्रवाई के नाम पर खाना पूर्ति कर दिया जाएगा। ई केवाईसी के नाम पर 50-50 रुपए वसूली करना संचालक ने स्वीकारा - इस संबंध में अरगोसी सीएससी सेंटर के संचालक अशोक खेस से पूछे जाने पर उन्होंने महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के केवाईसी के नाम पर 50-50 रुपए वसूली की बात स्वीकार की है साथ ही संचालक ने कहा कि शुरुआती दौर के दो-तीन दिनों तक निशुल्क की केवाईसी हितग्राहियों का किया गया। ग्राम लोसगा, लोसगी, वंदना के सीएससी संचालकों से पता चलने पर ई केवाईसी के नाम पर 50-50 रुपए वसूली किया जा रहा है। साथ ही संचालक ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें ई केवाईसी निशुल्क किए जाने निर्देशित किया गया था।वनांचल क्षेत्र के भोले भाले ग्रामीणों से ई केवाईसी के नाम पर अवैध वसूली - विकासखंड के वनांचल क्षेत्र ग्राम अरगोती, तपता, सुगाआमा, बीनिया ,पटकुरा डोड़ाकेसरा , जीविलिया, गांव में निवास करने वाले पहाड़ी कोरवा, पण्डो, सोता मझवार जनजाति सहित अन्य ग्रामीणों से जानकारी के अभाव में सीएससी संचालक के द्वारा ई केवाईसी के नाम पर 50-50 रुपए की अवैध वसूली की जा रही है।

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में विवाद: भगवान राम पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से आक्रोश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय एक बार फिर विवादों में आ गया है। विश्वविद्यालय के विधि विभाग से जुड़े कुछ छात्रों पर भगवान राम और अन्य महापुरुषों के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा है, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत होने की बात कही जा रही है। घटना सामने आने के बाद हिंदू संगठनों और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन करते हुए संबंधित छात्रों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज करने की मांग की है और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने चार सदस्यीय जांच समिति गठित की है। यह समिति तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है जब विश्वविद्यालय विवादों में आया हो। इससे पहले जनवरी में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान कुलपति और एक साहित्यकार के बीच विवाद का मामला भी सामने आया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। फिलहाल सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट और संभावित कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

मोहिनी एकादशी व्रत, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिन्दू पंचाग के अनुसार मोहिनी एकादशी का व्रत वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान श्री विष्णु के निमित्त रखा जाता है। इस बार यह व्रत 27 अप्रैल 2026 को रखा जाएगा। एकादशी सब पापों को हरने वाली उत्तम तिथि है, इस दिन जगत के पालनहार श्री विष्णुजी की उपासना करनी चाहिए।

मोहिनी एकादशी का महत्व

भगवान श्री कृष्ण, युधिष्ठिर को मोहिनी एकादशी का महत्व समझाते हुए कहते हैं कि महाराज ! त्रेता युग में महर्षि वशिष्ठ के कहने से परम प्रतापी श्री राम ने इस व्रत को किया। यह व्रत सब प्रकार के दुखों का निवारण करने वाला, सब पापों को हरने वाला व्रतों में उत्तम व्रत है। इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल तथा पातक समूह से छुटकारा पाकर विष्णुलोक को जाते हैं। मोहिनी एकादशी के व्रत के प्रभाव से शत्रुओं से छुटकारा मिलता है। इस दिन भगवान विष्णु के अवतार प्रभु श्री राम एवं विष्णुजी के मोहिनी स्वरुप का पूजन-अर्चन किया जाता है।

मोहिनी एकादशी की पूजाविधि

एकादशी तिथि पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करके सूर्यदेव को जल अर्घ्य दें। भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरुप को मन में ध्यान करते हुए रोली, मोली, पीले चन्दन, अक्षत, पीले पुष्प, ऋतुफल, मिष्ठान आदि भगवान विष्णु को अर्पित करें। फिर धूप-दीप से श्री हरि की आरती उतारें और मोहिनी एकादशी की कथा पढ़ें। इस दिन ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप एवं विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना बहुत फलदायी है। इस दिन भक्तों को परनिंदा, छल-कपट,लालच,द्वेष की भावनाओं से दूर रहकर,श्री नारायण को ध्यान में रखते हुए भक्तिभाव से उनका भजन करना चाहिए। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करें।

इसलिए लिया भगवान ने मोहिनी रूप

शास्त्रों के अनुसार मोहिनी, भगवान विष्णु का अवतार रूप थी। समुद्र मंथन के समय जब समुद्र से अमृत कलश निकला, तो इस बात को लेकर विवाद हुआ कि राक्षसों और देवताओं के बीच अमृत का कलश कौन लेगा। सभी देवताओं ने भगवान विष्णु से सहायता मांगी। अमृत के कलश से राक्षसों का ध्यान भटकाने के लिए मोहिनी नामक एक सुंदर स्त्री के रूप में विष्णु भगवान प्रकट हुए। इस प्रकार, सभी देवताओं ने भगवान विष्णु की सहायता से अमृत का सेवन किया।यह शुभ दिन वैशाख शुक्ल एकादशी का था, इसीलिए इस दिन को मोहिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। यह वही व्रत है जिसे राजा युधिष्ठिर और भगवान श्रीराम ने रखा था।

पापियों की संगत, गंभीर पाप से मुक्ति दिलाता है मोहिनी एकादशी व्रत

वैशाख माह की मोहिनी एकादशी 27 अप्रैल 2026 को है. मोहिनी एकादशी का व्रत करने वालों के पापों का नाश, पुण्य का उदय, शरीर और मन की शुद्धि होती है. इस व्रत के प्रताप से व्यक्ति मानसिक, वाचिक, सांसारिक दुविधाओं से मुक्त हो कर लक्ष्मी-नारायण की भक्ति कर पाता है. शास्त्रों के अनुसार एकादशी व्रत के दौरान कथा का विशेष महत्व होता है. आइए जानते हैं मोहिनी एकादशी व्रत की कथा और एकादशी व्रत में कथा क्यों की जाती है, क्या है इसकी महिमा.

हिंदू धर्म के अनुसार व्रत के दौरान कथा का श्रवण जरुर किया जाता है. दरअसल पूजा के दौरान व्यक्ति कथा के जरिए उस व्रत का महत्व जान पाता है. महत्व जाने बिना व्रत का कोई अर्थ नहीं. वही कथा सुनने या पढ़ने वाला भगवान से संपर्क साधने में सक्षम हो पाता है. चूंकि एकादशी व्रतों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है इसलिए हर एकादशी की पूजा के दौरान व्रती को कथा पाठ जरुर करना चाहिए, इससे विष्णु जी की कृपा प्राप्त होती है.

महाभारत में कथा का वर्णन

एकादशी व्रत का वर्णन महाभारत की कथा में भी मिलता है. भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर और अर्जुन को एकादशी व्रत के महत्व के बारे में बताया था. चूंकि ये व्रत सभी व्रतों में कठिन और विशेष फलदायी माना गया है, इसीलिए इस व्रत का महत्व कई गुना बढ़ जाता है. वैशाख के महीने में एकादशी व्रत को विशेष माना गया है. एकादशी व्रत को रखने वालों को नियम का पालन करते हुए एकादशी व्रत कथा को अवश्य सुनना चाहिए. मान्यता है कि जो व्यक्ति एकादशी व्रत में कथा को पढ़ता या सुनता है उसकी सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, पापों से मुक्ति मिलती है.

मोहिनी एकादशी व्रत कथा

प्राचीन समय में सरस्वती नदी के किनारे भद्रावती नाम की एक नगरी में द्युतिमान नामक राजा राज्य करता था. उसी नगरी में एक वैश्य रहता था, जो धन-धान्य से पूर्ण था. उसका नाम धनपाल था. वह अत्यन्त धर्मात्मा और नारायण-भक्त था. वैश्य के पाँच पुत्र थे, जिनमें सबसे बड़ा पुत्र अत्यन्त पापी व दुष्ट था, वह वेश्याओं और दुष्टों की संगति में रहता था.

बुरी संगत में पापी बना बेटा

मद्यपान, जुआ आदि बुरे कर्मों में उसने अपने पिता का बहुत धन बर्बाद किया. जब काफी समझाने पर भी वह नही सुधरा तो उसके पिता ने उसे घर से निकाल दिया. वह अपने गहने और वस्त्रों को बेचकर अपना गुजारा करने लगा. धन खत्म हो जाने पर उसके दुष्ट साथी भी साथ छोड़कर चले गए. इसके बाद वह चोरी कर अपनी भूख को शांत करने लगा लेकिन एक दिन पकड़ा गया, हालांकि सिपाहियों ने वैश्य का पुत्र जानकर उसे छोड़ दिया. इसके बाद भी जब उसने चोरी करना नहीं छोड़ा तो राजा ने उसे कारागार में डलवा दिया.

झेलना पड़े तमाम कष्ट

कारावास में उसे बहुत कष्ट झेलना पड़ा, अंत में उसे नगर छोड़ने का आदेश मानना पड़ा. इसके बाद जानवरों को मारकर पेट भरने लगा. एक दिन भोजन की तलाश में वह कौंटिन्य मुनि के आश्रम पहुंचा और उसने ऋषि से अपनी पीड़ा बताई. पाप से मुक्ति पाने के लिए ऋषि ने उसे वैशाख माह की मोहिनी एकादशी का व्रत करने को कहा. उसने विधि अनुसार ये व्रत किया, जिसके प्रताप से उसके सभी पाप नष्ट हो गये और अन्त में वह गरुड़ पर सवार हो विष्णुलोक को गया.

क्या श्री शिवाय नमस्तुभ्यं को जपना उचित है?

आजकल संतों की नहीं, कथा वाचकों की लोग सुनने लगे हैं। कथाओं को कहने का तरीका भी बदल गया है। वर्तमान में एक कथावाचक बहुत प्रसिद्ध हो चले हैं, जिनका नाम है पंडित प्रदीप मिश्रा। वे कहते हैं कि शिवजी का पंचाक्षरी मंत्र श्री शिवाय नमस्तुभ्यं है- इसका जप करना चाहिए। इसे वे महामृत्युंजय मंत्र से भी ज्यादा शक्तिशाली बताते हैं। क्या अब हम ऊँ नमः शिवाय को जपना छोड़ दें?

ऊँ नमः शिवाय या श्री शिवाय नमस्तुभ्यं श्री शिवाय नमस्तुभ्यं का अर्थ - श्री शिव मैं तुम्हें नमस्कार करता हूं।

ऊँ नमः शिवाय का अर्थ - ओंकार या ब्रह्म स्वरूप भगवान शिव को नमस्कार।

कहते हैं कि ईश्वर के सभी स्वरूपों की उपासना के मंत्र ओम से ही प्रारंभ होते हैं। ऊँ या ओम के बगैर मंत्र अधूरा माना जाता है। नमः शिवाय ही पंचाक्षरी मंत्र है जिसके आगे ओम लगाने से उसकी पूर्णता होती है और शिवजी के साथ ही निराकार ब्रह्म (ईश्वर) भी जुड़ जाता है। शिवजी का एक स्वरूप शिवलिंग के रूप में निराकार भी है। अतः नमः शिवाय इस पंचाक्षरी मन्त्र में प्रणव यानी ऊँ लगाकर इसका जप करना ही उचित है।

तस्य वाचकः प्रणवः ॥- तैत्तिरीयोपनिषद् 1.27 ॥ अर्थात उसका वाचक (नाम, इंगित करने वाला) प्रणव है। अस्य ओम नमः शिवाय पञ्चाक्षर मन्त्रस्य वामदेव ऋषिः अनुष्टुप् छन्दः श्री सदाशिवो देवता। अर्थात इस शिव पंचाक्षरमन्त्र के वामदेव ऋषि हैं, अनुष्टुप् छन्द है, सदाशिव देवता हैं)

जहां तक सवाल पंचाक्षरी मंत्र का है तो वह नमः शिवाय ही है जिसमें? लगाकर उसका जप किए जाने का ही उचित तरीका है। श्री शिवाय नमस्तुभ्यं पंचाक्षरी मंत्र नहीं है। हालांकि श्री शिवाय नमस्तुभ्यं मंत्र का जप भी किया जा सकता है क्योंकि भगवान को किसी भी तरीके या रूप में भजें वह आपके ही हैं। उल्लेखनीय है कि श्री शब्द माता लक्ष्मी का नाम है। शिवजी के नाम के आगे इसका उपयोग नहीं होता है।

वैशाख शुक्ल एकादशी पर करें श्रीहरि की पूजा

वैशाख शुक्ल एकादशी के व्रत को मोहिनी एकादशी के नाम से जानते हैं. इस साल मोहिनी एकादशी का व्रत 27 अप्रैल के दिन रखा जाएगा. उस दिन द्विपुष्कर योग, सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं. विष्णु पूजा के समय सर्वार्थ सिद्धि योग बना होगा, जो आपके कार्यों को सिद्ध करने के लिए अच्छा योग माना जाता है. मोहिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की पूजा कर सकते हैं, नहीं तो आप चाहे तो श्रीहरि की पूजा कर सकते हैं. श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युञ्जय तिवारी बता रहे हैं मोहिनी एकादशी की व्रत कथा, पूजा मुहूर्त और पारण समय के बारे में.

मोहिनी एकादशी व्रत की पौराणिक कथा

एक बार युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा कि वैशाख शुक्ल एकादशी के व्रत और पूजा की विधि क्या है? इस व्रत का महत्व क्या है? इस बारे मे आप विस्तार से बताएं. इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि वैशाख के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी के नाम से जानते हैं. महर्षि वशिष्ठ ने भगवान राम से जो इसकी कथा बताई थी, वह कथा आपको भी बताते हैं.

मोहिनी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के सभी पाप और दुख दूर हो जाते हैं. वह मोह और माया के बंधन से मुक्त हो जाता है. इसकी कथा कुछ इस प्रकार से है- भद्रावती नगर सरस्वती नदी के किनारे बसा था, जिस पर चंद्रवंशी राजा द्युतिमान शासन करता था. उसके राज्य में धनपाल नाम का एक वैश्य रहता था, जो धर्मात्मा था. वह भगवान विष्णु का परम भक्त था. उसने नगर में लोगों की सेवा के लिए जल का प्रबंध किया था, राहगीरों के लिए कई पेड़ लगाए थे. उसके पांच बेटे थे, जिनका नाम सुमना, सद्बुद्धि, मेधावी, सुकृति और धृष्टबुद्धि था. धृष्टबुद्धि पापी, अनाचारी, अधर्मी था. वह पाप कर्मों में लिप्त रहता था. उससे परेशान होकर धनपाल ने धृष्टबुद्धि को घर से निकाल दिया. बेघर और निर्धन होने पर उसके दोस्तों ने भी उसका साथ छोड़ दिया. उसके पास कुछ भी खाने पीने को नहीं था तो वह चोरी करके अपना गुजारा करने लगा. एक बार उसे पकड़ लिया गया, लेकिन धर्मात्मा पिता की संतान होने के कारण छोड़ दिया गया. दूसरी बार पकड़ा गया तो राजा ने उसे जेल में डाल दिया. बाद उसे नगर से ही बाहर निकाल दिया गया.

एक दिन वह भूख प्यास से परेशान होकर घूमते-घूमते कौंडिन्य ऋषि के आश्रम में पहुंच गया. वह वैशाख का महीना था. ऋषि गंगा स्नान करके आए थे, उनके गीले वस्त्रों के छींटें उस पर पड़े. धृष्टबुद्धि को कुछ बुद्धि आई. उसने ऋषि कौंडिन्य को प्रणाम किया और कहने लगा कि उसके बहुत पाप कर्म किए हैं. इससे मुक्ति का मार्ग बताएं.

ऋषि कौंडिन्य को धृष्टबुद्धि पर दया आ गई. उन्होंने कहा कि वैशाख शुक्ल एकादशी को मोहिनी एकादशी का व्रत आने वाला है. इस व्रत को विधिपूर्वक करने से समस्त पाप नष्ट हो जाएंगे और तुम पुण्य के भागी बनोगे. उन्होंने मोहिनी एकादशी व्रत की पूरी विधि बताई. मोहिनी एकादशी के दिन उसने ऋषि के बताए अनुसार विधि विधान से व्रत किया और विष्णु पूजन किया. व्रत के पुण्य प्रभाव से वह पाप रहित हो गया. जीवन के अंत में वह गरुड़ पर सवार होकर विष्णु धाम चला गया. मोहिनी एकादशी के समान कोई श्रेष्ठ व्रत नहीं है. जो भी व्यक्ति मोहिनी एकादशी व्रत की कथा पढ़ता या सुनता है, उसे 1000 गोदान के समान पुण्य लाभ होता है.

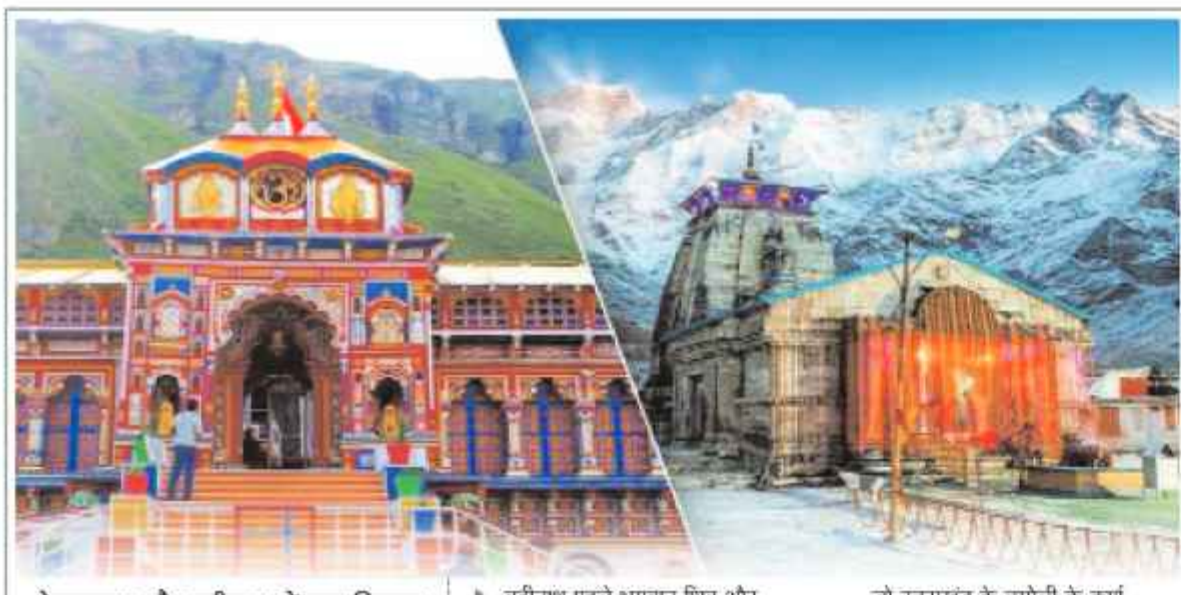

पुराणों में छिपा है केदारनाथ और बद्रीनाथ का इतिहास और भविष्य

केदारनाथ और बद्रीनाथ में खूब विकास किया जा रहा है जबकि केदारनाथ की बाढ़ ने एक झटके में सारे विकास कार्य ध्वस्त कर दिए थे। क्या आने वाले समय में भी यही होने वाला है? पुराणों में छिपा है केदारनाथ और बद्रीनाथ का इतिहास और भविष्य। बद्रीनाथ चार बड़े धामों में से एक है। आओ जानते हैं दोनों ही तीर्थ स्थलों का इतिहास और भविष्य।

- बद्रीनाथ पहले भगवान शिव और पार्वती का निवास स्थान था। लेकिन जब विष्णु जी ने यह स्थान देखा तो इसे देखकर वे मंत्रमुग्ध जैसे हो गए और उन्होंने तब इस स्थान को अपना बनाने के लिए यहां पर बालरूप की लीला की और शिव एवं पार्वती जी से यह स्थान ले लिया।
- वर्तमान बद्रीनाथ के पहले आदि बद्रीनाथ तीर्थ स्थल हुआ करता था। इसे सबसे प्राचीन स्थान कहा जाता है जो उत्तराखंड के चमोली के कर्ण प्रयाग में स्थित है। यहां पर श्रीहरि विष्णु विराजमान है।
- केदारनाथ को जहां भगवान शंकर का आराम करने का स्थान माना गया है वही बद्रीनाथ को सृष्टि का आठवां वैकुंठ कहा गया है, जहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं।
- केदार घाटी में दो पहाड़ हैं- नर और नारायण पर्वत। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। उनके तप से प्रसन्न होकर केदारनाथ में शिव प्रकट हुए थे। दूसरी ओर बद्रीनाथ धाम है जहां भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी।
- बद्रीनाथ का मंदिर यहां कब से है यह ठीक नहीं मालूम लेकिन जो मंदिर वर्तमान में हैं उसका निर्माण पन्द्रहवीं शताब्दी में रामानुजीय संप्रदाय के स्वामी बदरीचार्य के कहने पर गढ़वाल के तत्कालीन नरेश ने कराया। मंदिर के बन जाने के बाद इंदौर की सुप्रसिद्ध महारानी अहिल्याबाई ने यहां स्वर्ण कलश और छत्री को चढ़ाया। अलकनंदा नदी तट पर स्थापित यह मंदिर 50 फीट ऊंचा है। भगवान के इस क्षेत्र में अनेक गुप्त एवं प्रकट तीर्थ माने जाते हैं।
- रामायण एवं महाभारतकाल से पूर्व भी केदार का अस्तित्व रहा, महर्षि वेदव्यास ने महाभारत के युद्ध में गोत्र हत्या एवं ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्ति के लिए पाण्डवों को केदार तीर्थ के दर्शन का उपदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि ब्रह्मादि देवता भी शिव दर्शन के लिए केदार तीर्थ धाम की यात्रा करते हैं। आदि शंकराचार्य, विक्रमादित्य और राजा मिहिर भोज ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था।
- स्कंद पुराण में भगवान शंकर, माता पार्वती से कहते है, हे प्राणेश्वरी! यह क्षेत्र उतना ही प्राचीन है, जितना कि मै हूं। मैंने इसी स्थान पर सृष्टि की रचना के लिए ब्रह्मा के रूप में परब्रह्मत्व को प्राप्त किया, तभी से यह स्थान मेरा चिर-परिचित आवास है। यह केदारखंड मेरा चिरनिवास होने के कारण भूस्वर्ग के समान है।
- **पुराणों में है उल्लेख** - पुराणों अनुसार भूकंप, जलप्रलय और सूखे के बाद गंगा लुप्त हो जाएगी और इसी गंगा की कथा के साथ जुड़ी है बद्रीनाथ और केदारनाथ तीर्थस्थल की रोचक कहानी।
- भविष्य में नहीं होंगे बद्रीनाथ के दर्शन, क्योंकि माना जाता है कि जिस दिन नर और नारायण पर्वत आपस में मिल जाएंगे, बद्रीनाथ का मार्ग पूरी तरह बंद हो जाएगा। भक्त बद्रीनाथ के दर्शन नहीं कर पाएंगे। पुराणों अनुसार आने वाले कुछ वर्षों में वर्तमान बद्रीनाथ धाम और केदारेश्वर धाम लुप्त हो जाएंगे और वर्षों बाद भविष्य में भविष्यबद्री नामक नए तीर्थ का उद्गम होगा।
- कहते हैं कि भविष्य में जब केदारनाथ और बद्रीनाथ लुप्त हो जाएंगे तब यही स्थान तीर्थ क्षेत्र होगा। यह स्थान भी चमोली में जोशीमठ के पास सुभैन तपोवन में स्थित है।
- यह भी मान्यता है कि जोशीमठ में स्थित नृसिंह भगवान की मूर्ति का एक हाथ साल-दर-साल पतला होता जा रहा है। जिस दिन यह हाथ लुप्त हो जाएगा उस दिन बद्री और केदारनाथ तीर्थ स्थल भी लुप्त होना प्रारंभ हो जाएंगे।
- चार धाम में से एक बद्रीनाथ के बारे में एक कहावत प्रचलित है कि जो जाए बदरी, वो ना आए ओदरी। अर्थात जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन कर लेता है, उसे पुन- उदर यानी गर्भ में नहीं आना पड़ता है। मतलब दूसरी बार जन्म नहीं लेना पड़ता है। शास्त्रों के अनुसार मनुष्य को जीवन में कम से कम दो बार बद्रीनाथ की यात्रा जरूर करना चाहिए।

नगर निगम के फैसले से शक्तिनगर और जवाहर नगर में जल संकट, 43 डिग्री तापमान में पानी की होगी किल्लत

दुर्ग। दुर्ग जिले में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया है, लेकिन इस भीषण गर्मी के बीच नगर निगम द्वारा लिए गए एक फैसले ने स्थानीय निवासियों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। शक्तिनगर और जवाहर नगर क्षेत्र में स्थित तालाब की सफाई के लिए उसे पूरी तरह खाली किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में निस्तारी और पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गई है।

तालाब खाली होने का सीधा असर आसपास के भूजल स्तर पर पड़ा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, तालाब सूखने से न केवल इन दो वार्डों, बल्कि आसपास के बड़े इलाके में बोरवेल और हैंडपंपों ने पानी छोड़ दिया है। लोग अब दैनिक कार्यों के लिए पानी की एक-एक बूंद को मोहताज हो रहे हैं।

वार्डवासियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि सफाई का काम गर्मी के चरम पर क्यों शुरू किया गया। लोगों का कहना है कि साल भर तालाब गंदा पड़ा रहा, तब प्रशासन को सुध नहीं आई, और अब जब पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है, तब इसे खाली किया जा रहा है।

दूसरी ओर, वार्ड पार्षद देवनारायण चंद्राकर ने सफाई अभियान को जायज ठहराया है। उनका तर्क है कि तालाब में जमा गाद को निकालना भविष्य में जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने के लिए अनिवार्य है। उनके अनुसार, यह कार्य अभी नहीं किया गया तो बारिश के दौरान जल भराव की समस्या हो सकती है और भविष्य की जल सुरक्षा के लिए यह एक अनिवार्य प्रक्रिया है।

रही बात पेयजल संकट की तो हम नगर निगम के टैंकरों से वार्ड में जलापूर्ति करेंगे।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल का 'AI जनरेटेड' आपत्तिजनक वीडियो वायरल, भड़की कांग्रेस; एसपी से शिकायत कर FIR की मांग

दुर्ग शक्ति नगर और जवाहर नगर की निस्तारी तालाब की सफाई के लिए मोटर लगाकर पानी निकाला जा रहा है।

फोटो- नावेद शेख

दुर्ग। सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल के खिलाफ आपत्तिजनक और भ्रामक कंटेंट वायरल होने के बाद जिले का सियासी पारा चढ़ गया है। इंस्टाग्राम पर प्रसारित एक कथित AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जनरेटेड वीडियो को लेकर कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाया है। रविवार को कांग्रेस के तीनों जिला अध्यक्षों ने संयुक्त रूप से दुर्ग पुलिस अधीक्षक (SP) को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

क्या है पूरा मामला- मिली जानकारी के अनुसार, इंस्टाग्राम पर "Congress_pollkhol" नामक आईडी से एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसे "@random chhattis-garh" आईडी के साथ कोलैब (Collab) कर तेजी से वायरल किया जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि इस वीडियो में पाटन विधायक भूपेश बघेल के संबंध में तथ्यहीन, भ्रामक और चरित्र हनन करने वाली सामग्री दिखाई गई है। पार्टी ने इसे तकनीकी का दुरुपयोग कर बनाई गई एक सोची-समझी साजिश करार दिया है।

पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन- घटना से आक्रोशित जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और भिलाई जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से मुलाकात की। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस वीडियो से पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है और यह भूपेश बघेल की राजनीतिक छवि धूमिल करने का सुनियोजित प्रयास है।

कांग्रेस की मुख्य मांगें

मामले में तत्काल FIR दर्ज कर जांच शुरू की जाए।

भ्रामक वीडियो बनाने और वायरल करने वाले दोषियों की जल्द गिरफ्तारी हो।

संबंधित इंस्टाग्राम आईडी को तुरंत बैन किया जाए और आपत्तिजनक वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाया जाए।

आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी- पुलिस ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले की तकनीकी जांच के लिए दो दिन का समय मांगा है। इस पर कांग्रेसियों का कहना है कि,अगर दो दिन में उचित कार्रवाई नहीं होती तो उग्र आन्दोलन किया जाएगा।

पंचायती राज दिवस के जश्न के बीच 'लोकतंत्र' का दम घोंटने की कोशिश

देवरी ग्रामसभा में भारी हंगामा : सरपंच ने साधी चुप्पी, बीमार होने का बहाना बना छोड़ी सभा

तिल्दा-नेवरा। एक तरफ जहाँ पूरा देश और प्रदेश 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' के उपलक्ष्य में ग्राम स्वराज और पंचायतों के सशक्तिकरण का उत्सव मना रहा है, वहीं तिल्दा ब्लाक के ग्राम पंचायत देवरी से आई तस्वीरें इस उत्सव का मजाक उड़ाती दिख रही हैं। यहाँ शनिवार (25 अप्रैल) को आयोजित ग्रामसभा उस समय अखाड़े में तब्दील हो गई, जब सरपंच ने ग्रामीणों की वाजिब मांग को एजेंडे में शामिल करने से सीधे इनकार कर दिया। उद्योग के खिलाफ एकजुट ग्रामीण, सरपंच का 'मौन' व्रत-विवाद की जड़ मेसर्स अग्रसेन स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड की प्रस्तावित परियोजना है। आगामी 7 मई को ग्राम घुलघुल में होने वाली जनसुनवाई को रद्द करने हेतु ग्रामीण एक अतिरिक्त एजेंडा जोड़ना चाहते थे।

सभा में मौजूद लगभग 443 ग्रामीणों ने एक स्वर में इसका विरोध किया, लेकिन सरपंच श्रीमती दिव्या वर्मा ने एजेंडा जोड़ने से साफ मना कर दिया।हैरानी की बात यह रही कि पूरे विवाद के दौरान ग्रामीण सरपंच से सवाल पूछते रहे, लेकिन उन्होंने 'मौन' साधे रखा। ग्रामीणों का खुला आरोप है कि:सरपंच पहले से ही उद्योगपतियों के पक्ष में हैं।30 जनवरी को ग्रामसभा ने सर्वसम्मति से हस्ताक्षर न देने का प्रस्ताव पारित किया था, फिर भी सरपंच और तत्कालीन सचिव ने कथित तौर पर 'फर्जी हस्ताक्षर' जारी कर दी।

जब 'बीमारी' बनी ढाल, उपसरपंच ने संभाली कमान

जब ग्रामीणों का दबाव बढ़ा और सवालों की बौछार हुई, तो सरपंच श्रीमती दिव्या वर्मा स्वास्थ्य खराब होने का हवाला देकर सभा बीच में ही छोड़कर चली गईं। इसे ग्रामीणों ने अपनी आवाज दबाने की कोशिश बताया। हालांकि, लोकतंत्र की जीत तब हुई जब सचिव की मौजूदगी में ग्रामीणों ने उपसरपंच श्री हरीश वर्मा को सभा का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद विधिवत कार्यवाही आगे बढ़ी और ग्रामीणों की मांग के अनुसार जनसुनवाई के विरोध वाले एजेंडे को प्रस्ताव में शामिल किया गया। उत्सव या उपहास?-सरकार पंचायती राज अधिवेशन मनाकर पंचायतों को 'सरकार' का दर्जा देने की बात कर रही है, लेकिन देवरी जैसी जमीनी हकीकत बताती है कि आज भी ग्रामीण अपने हक की बात रखने के लिए सिस्टम से लड़ रहे हैं। अगर चुनी हुई सरपंच ही ग्रामसभा के प्रस्तावों को दरकिनार कर 'उद्योगों' के लिए रास्ता साफ करेंगी, तो फिर ग्राम स्वराज के इन आयोजनों का क्या औचित्य रह जाता है? यह सीधे तौर पर ग्रामीण जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन और सरकारी दावों पर तमाचा है।

गौ माता के सम्मान के लिए देशव्यापी हुंकार, 27 अप्रैल को दंतेवाड़ा में होगा विशाल गोसम्मान आह्वान अभियान

दंतेवाड़ा । सत्य सनातन धर्म की रक्षा और गौ माता के सम्मान के उद्देश्य से 27 अप्रैल 2026, सोमवार (एकादशी तिथि) को पूरे देश में एक साथ ÷गोसम्मान आह्वान अभियान÷ का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत भारत की 5555 तहसीलों में एक ही दिन गौ माता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने और देशभर में गोहत्या पूर्णतः बंद कराने की मांग को लेकर सामूहिक आवेदन प्रस्तुत किए जाएंगे।बताया जा रहा है कि इस अभियान की रूपरेखा लगभग छह माह पूर्व भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि वृंदावन में आयोजित संत सम्मेलन में तैयार की गई थी। इस सम्मेलन में विभिन्न पंथों के संतों और धर्माचार्यों ने भाग लेकर देश में गोवंश की स्थिति पर गहन चिंतन किया। संतों ने चिंता व्यक्त की कि प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में गोवंश की हत्या हो रही है, जो आने वाले समय में गंभीर संकट का कारण बन सकती है।गहन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 1966 के अधूरे आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए इस बार शांतिपूर्ण एवं संगठित तरीके से चार चरणों में देश के प्रमुख पदाधिकारियों को आवेदन सौंपा जाएगा। पहले चरण में 27 अप्रैल को सभी तहसीलों में ज्ञापन दिया जाएगा। इसके पूर्व व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार, दीवार लेखन, हस्ताक्षर अभियान और मिस कॉल के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में दंतेवाड़ा तहसील में भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सभी श्रद्धालु एवं गौ-भक्त 27 अप्रैल की सुबह 8:30 बजे दुर्गा मंच, आवंराभाठा में एकत्रित होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत हवन-पूजन से होगी, जिसके बाद भजन-कीर्तन करते हुए लगभग 11:00 बजे तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार के माध्यम से देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा जाएगा।

महिला आरक्षण विधेयक पर घमासान : दुर्ग में भाजपा महिला मोर्चा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला, कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

दुर्ग। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। दुर्ग में रविवार की शाम भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की नीतियों को महिला विरोधी बताते हुए राहुल गांधी का पुतला दहन किया और जमकर नारेबाजी की।

कांग्रेस की मंशा पर उठाए सवाल- भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक के पूर्व में धराशायी होने के लिए पूरी तरह से कांग्रेस जिम्मेदार है। मोर्चा का कहना है कि कांग्रेस की गलत मंशा और नीतियों के कारण ही देश की महिलाओं को लंबे समय तक उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहना पड़ा। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, कांग्रेस ने महिलाओं के अधिकारों को हमेशा सिर्फ एक चुनावी जुमला बनाया और कभी भी इसे अमलीजामा पहनाने के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए।

भाजपा कार्यालय से बस स्टैंड तक निकाली रैली- विरोध प्रदर्शन की शुरुआत दुर्ग स्थित भाजपा कार्यालय से हुई, जहाँ से बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता रैली के रूप में निकलीं। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुराना बस स्टैंड पहुंची, जहाँ कार्यकर्ताओं ने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए राहुल गांधी का पुतला फूंका।

नारी शक्ति का अपमान÷ भाजपा नेत्री- प्रदर्शन के दौरान भाजपा की वरिष्ठ नेत्रियों ने कड़े शब्दों में कांग्रेस की आलोचना करते हुए अलका बाघमार, महापौर,ने कहा कि, ÷कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को सिर्फ वोट बैंक समझा। आरक्षण विधेयक को रोकने के पीछे कांग्रेस की संकीर्ण मानसिकता उजागर हुई है।÷

वहीं तृप्ति चंद्राकर, अध्यक्ष महिला मोर्चा का कहना था आज की यह रैली कांग्रेस को यह बताने के लिए है कि महिलाएं अब जागरूक हैं और अपने हक की लड़ाई लड़ना जानती हैं।÷कुमुद बघेल, प्रदेश मंत्री÷ ने कहा ÷जब देश की आधी आबादी को हक देने की बात आई, तब कांग्रेस पीछे हट गई। यह उनकी ऐतिहासिक विफलता है.साथ ही उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक के मार्ग में रोड़े अटकाना नारी शक्ति का अपमान है।

दुर्ग में सिरफिरी प्रेमिका का खूनी तांडव, आरक्षक की पत्नी और 8 साल के बेटे की चाकू से गोदकर हत्य

आरक्षक की दो बेटियां घायल

भिलाई/दुर्ग । दुर्ग जिले के स्मृति नगर चौकी अंतर्गत स्क्वेस कॉलोनी में शनिवार सुबह रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। एक आरक्षक की प्रेमिका ने आरक्षक की अनुपस्थिति में उसकी पत्नी और मासूम बेटे की चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। आरोपी महिला ने आरक्षक की दो बेटियों पर भी हमला किया, जिनमें से एक ने बाथरूम में छिपकर अपनी जान बचाई।मिली जानकारी के मुताबिक बीजापुर में पदस्थ स्क्वेस आरक्षक ललितेश यादव 15 दिन की छुट्टी पर घर आया हुआ था। शनिवार सुबह करीब 8 बजे जब ललितेश रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन कराने गया, तभी उसकी प्रेमिका सरोजिनी भारद्वाज (25 वर्ष) घर पहुंची। आरोपी महिला ने सब्जी काटने वाले चाकू से सो रहे 8 साल के मासूम आदित्य और उसकी मां रीना यादव पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि महिला ने रीना पर 18 और बच्चे पर 14 बार वार किए।हमले के दौरान घायल रीना यादव ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी का पैर पकड़ लिया और अपनी बेटियों को भागने के लिए कहा। बड़ी बेटी तान्या लहूलुहान हालत में बाहर भागकर पड़ोसियों को सूचना देने में सफल रही, जबकि दूसरी बेटी नैना ने बाथरूम में छिपकर जान बचाई। पड़ोसियों ने मौके पर पहुंचकर आरोपी महिला को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले किया।

फेसबुक पर हुई थी दोस्तीम-पुलिस जांच में सामने आया है कि जांजगीर की रहने वाली सरोजिनी और ललितेश का संपर्क फेसबुक के जरिए हुआ था। चर्चा है कि दोनों ने शादी भी कर ली थी। ललितेश ने ही उसे दुर्ग में किराए के मकान में रखा था। शुक्रवार को भी आरोपी महिला घर आई थी, जिसे ललितेश ने समझाकर वापस भेज दिया था, लेकिन शनिवार सुबह वह सामान लेकर रहने की जिद पर आ धमकी और इस खूनी खेल को अंजाम दिया।

पुलिस की कार्रवाई-एस्क भिलाई सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि इलाज के दौरान मां-बेटे की मौत हो गई है। आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। गंभीर रूप से घायल बेटियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सपना हुआ साकार : गीदम के शिक्षक आशुतोष शिवहरे ने अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर से की मुलाकात

दंतेवाड़ा । कहते हैं कि सच्ची लगन और विश्वास से देखा गया सपना एक दिन जरूर पूरा होता है। ऐसा ही एक भावुक और प्रेरणादायक पल गीदम नगर के शिक्षक आशुतोष शिवहरे के जीवन में आया, जब उन्हें अपने आदर्श और क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर से मिलने और बातचीत करने का अवसर मिला।आशुतोष शिवहरे ने बताया कि साल 2003 के वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने पहली बार सचिन तेंदुलकर को खेलते देखा था। उसी समय से उनके मन में क्रिकेट के प्रति गहरा लगाव पैदा हुआ और सचिन उनके आदर्श बन गए। खास तौर पर सचिन के खेल और उनके एमआरएफ बैट ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि क्रिकेट उनकी पहली पसंद बन गई।वर्षों तक मन में एक ही सवाल रहता था कि क्या कभी वह अपने पसंदीदा खिलाड़ी को करीब से देख पाएंगे या उनसे मिल पाएंगे। लेकिन समय ने वह दिन भी दिखाया, जब उन्हें न केवल सचिन तेंदुलकर को करीब से देखने का मौका मिला, बल्कि उनसे मुलाकात और बातचीत करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। उन्होंने इस अनुभव को अपने जीवन का सबसे खास और अविस्मरणीय क्षण बताया। एक क्रिकेट प्रेमी के रूप में यह पल उनके लिए भावनाओं से भरा हुआ था, हालांकि कार्यक्रम की जिम्मेदारियों के चलते उन्हें अपने उत्साह और भावनाओं को संयमित रखना पड़ा।आशुतोष शिवहरे ने इस अवसर के लिए छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन दंतेवाड़ा और शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात उनके जीवन की एक अनमोल याद बन गई है, जिसे वह हमेशा संजोकर रखेंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com